वैशाख कृष्ण - 6 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 260 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 20-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 दलित समाज को लंदन घुमाएगी राजस्थान सरकार

6 नायक महाबीर थापा: एक भी सैनिक को पीछे नहीं छोड़ा, आखिरी सांस तक फर्ज निभाया

7 ओम पुरी मेरे जीवन का अभिशाप नहीं, वरदान थे : सीमा कपूर

फर्स्ट टेक

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके

काबुल/एजेन्सी। अफगानिस्तान में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गयी। केंद्र ने बताया कि अफगानिस्तान में शनिवार को दोपहर बाद 12:17 बजे (भारतीय समयानुसार) यह भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

परिवारवादियों को 'सबका साथ-सबका विकास' स्वीकार्य नहीं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्षी दलों के नेताओं का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों के मन में तानाशाही और अधिनायकवाद भाव है, वे विकास होते नहीं देखना चाहते। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अपना और अपने परिवार का विकास चाहते हैं और

इन लोगों को 'सबका साथ-सबका विकास' स्वीकार्य नहीं है।

आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसी विचारधारा के लोगों ने 1975 में आपातकाल लागू कर मीडिया पर सेंसर लगाया था और आज भी समय-समय पर मीडिया के विरोध के फतवे जारी करते रहते हैं। एक बयान के अनुसार आदित्यनाथ शनिवार सुबह रामगढ़ताल क्षेत्र में स्थित एक होटल के सभागार में एक प्रमुख मीडिया समूह के कार्यक्रम 'उत्सव अभिव्यक्ति का' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने खुद को परिवार तक सीमित रखा और अपना व परिवार का ही विकास किया।

आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के समग्र विकास को प्राथमिकता नहीं दी, जिसका नतीजा यह हुआ कि उत्तर प्रदेश के निवासियों के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुए, गरीब भूख से मरते रहे, महिलाओं और व्यापारियों को असुरक्षा का शिकार होना पड़ा था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार में सबके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हुए उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था के लिए ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित हुआ है।

पंजाब में दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 13 गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने शनिवार को आईएसआई समर्थित दो खालिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर 13 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो रॉकेट चालित ग्रेनेड, दो हथगोले, आईईडी और आरडीएक्स के साथ-साथ अन्य हथियार जब्त किए हैं। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि इन दोनों मॉड्यूल का संचालन विदेश से किया जा रहा था । यादव ने बताया कि पहले आतंकी मॉड्यूल का संचालन फ्रांस स्थित सतनाम सिंह उर्फ सत्ता कर रहा था।

विश्व यकृत दिवसः

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वस्थ भारत की पैरवी की

नई दिल्ली/भाषा। विश्व यकृत दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए तेल का सेवन कम करने और मोटापे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने जैसे छोटे कदम उठाने का आह्वान किया तथा फिट और स्वस्थ भारत के निर्माण पर बल दिया। हर साल विश्व यकृत दिवस मनाया जाता है जिसके तहत यकृत स्वास्थ्य और बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। इस वर्ष का इस दिवस का ध्येय वाक्य है:'भोजन ही औषधि है।'

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया,''विश्व यकृत दिवस को उपयुक्त खानपान एवं स्वस्थ जीवन जीने के आह्वान के साथ मनाने का सराहनीय प्रयास। तेल का सेवन कम करने जैसे छोटे कदम भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आइए, हम सब मिलकर मोटापे के बारे में जागरूकता बढ़ाकर एक स्वस्थ और तंदुरुस्त भारत का निर्माण करें।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

होनी अनहोनी

हर दुर्घटना बाद सभी के,
मन में उठते कई विचार।
ऐसा करते या ना करते,
तो ना मचता हाहाकार।
पर क्या सचमुच यह संभव है,
रोक सकें प्रारब्ध प्रहार।
जो होना है वो तो होगा,
मनुज यहीं बस है लाचार।।

सोनिया और राहुल के खिलाफ आरोप पत्र षड्यंत्र, हम डरने वाले नहीं हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ 'नेशनल हेराल्ड' मामले में आरोपपत्र दाखिल किए जाने को शनिवार को षड्यंत्र करार दिया और कहा कि पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। उन्होंने पार्टी के महासचिवों, प्रभारियों और अग्रिम संगठनों के प्रमुखों की बैठक में यह

उम्मीद भी जताई कि वक्फ संशोधन अधिनियम मामले में उच्चतम न्यायालय में सरकार के खिलाफ विपक्ष की जीत होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 'उपयोग के कारण वक्फ' के साथ सरकार ने छेड़छाड़ की है ताकि वक्फ संपत्तियों को विवादों में घसीटा जा सके। खरगे ने पार्टी नेताओं का आह्वान किया कि अहमदाबाद अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के संदेश को जिला, मंडल, ब्लॉक और बूथ तक पहुंचाना है। कांग्रेस ने यह बैठक सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा आरोप पत्र दाखिल किए जाने की पृष्ठभूमि में आगे की रणनीति तय करने के लिए बुलाई थी।

इस बैठक में प्रियंका गांधी वाद्रा समेत पार्टी के कई महासचिव, प्रदेश प्रभारी और कई अन्य नेता मौजूद थे।

एयर शो

भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित 'सूर्य किरण एरोबैटिक टीम' (एसकेएटी) ने शनिवार सुबह 'नामकुम आर्मी ग्राउंड' में शानदार 'एयर शो' से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह समेत वरिष्ठ रक्षा एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के एक चरण में छह विमानों ने करीबी संरचना में उड़ान भरी जबकि दूसरे चरण में इन विमानों ने जमीन से मात्र 100 फुट की ऊंचाई पर करतब दिखाए।

बटलर और रदरफोर्ड के तूफान ने गुजरात को नंबर एक पर पहुंचाया

अहमदाबाद/एजेन्सी। जॉस बटलर (97 नाबाद) और शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (43) के बीच 119 रन की रिकार्ड साझीदारी की मदद से गुजरात जायंट्स (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 35वें मैच में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को सात विकेट से हरा दिया।

इस जीत के साथ सात मैचों में पांच जीत के साथ औसत रन रेट के आधार पर अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गया है वहीं दिल्ली भी इतने ही अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

बीसवीं पुण्यतिथि

आपकी यादों के चिराग हमारे दिलों में
हमेशा जलते रहेंगे, प्रण यही है हमारा
आपके प्रदर्शित पथ पर हमेशा चलते रहेंगे।

आत्मीय भावांजलि

हे आदरणीय अर्पित है भावांजलि।
स्वीकार करें हे पुण्य आत्मा,
हम सबकी यह श्रद्धांजलि।।

स्व. श्री सुमेरमलजी छाजेड़ (S. M. Jain)

27 जनवरी 1939-20 अप्रैल 2005 (गढ़ सिवाना-राजस्थान)

: श्रद्धावनत :

पुत्र एवं पुत्रवधु : राजेन्द्र जैन-अनिता , पौत्र : यश जैन, पौत्री-पौत्री जंवाई : श्रेया-प्रभुजी,
भाई : अशोककुमार, रमेशकुमार, भतीज: जितेन्द्रकुमार, विपिनकुमार, साईंनाथ, महेश एवं समस्त छाजेड़ परिवार
पुत्री-दामाद : किरणदेवी-मिलापचन्दजी बंदामुथा, ललितादेवी-अशोककुमारजी कोठारी
दोहिते : रीतेश जैन, निखिल जैन, अक्षयकुमार, दोहित्री : नेहा

ARKAY GROUP OF COMPANIES
(MINING / DRYPORTS / FINANCE / STEEL / HOSPITALITY / REAL ESTATE)
BANGALORE - BELLARY

सहज स्मृति योग

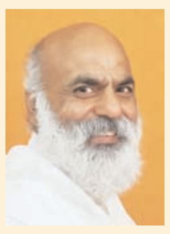

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, एक तरफ़ तो आप कहते हैं कि जब हमें आत्मबोध होता है तो हम बचते ही नहीं, समाप्त हो जाते हैं और दूसरी तरफ़ यह भी कहते हैं कि पहले हम समाप्त होते हैं तो संसार हमें हम में दिखता है और उसके बाद हम स्वयं को अपने गुरु या परमात्मा में दिखते हैं। इसे कैसे समझूँ ?

उत्तर: 'समाप्त हो जाना' यहाँ किसी के प्राण पखेरू उड़ जाने के अर्थ में प्रयुक्त नहीं हुआ है बल्कि 'सम' या समाधिस्थ स्वरूप में 'आप्त' हो जाने के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। धि या प्रज्ञा जब सम हो जाती है (प्रतिष्ठित हो जाती है) तब ही उस आप्त-पुरुष (आत्मज्ञ) में संसार जैसा है वैसा दिखता है। यहाँ आपके मन में प्रश्न उठ सकता है कि समाधिस्थ होने पर दिखता 'किसे' है ? क्योंकि जो समाधिस्थ होता है वह ब्रह्मज्ञ, ब्रह्म एव भवति सिद्धांत के न्याय से व्यष्टि-अस्मिता नहीं रहता, समष्टि-अस्मिता -प्राण ही हो जाता है। किंतु, देहधारी होने की एक मर्यादा है जिसका पालन सभी तत्वज्ञ देहस्थ रहने की अवधि में करते ही करते हैं इसे ही दिखता है। इसी मर्यादा की पालना में वे स्वयं को कहो या, सम्पूर्ण अस्तित्व को कहो या, ब्रह्म को कहो, गुरु या अक्षर परम ब्रह्म में देखते हैं। इसे ऐसे ही समझें ।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में इमारत ढहने से 11 लोगों की मौत, 11 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शक्ति विहार इलाके में शनिवार तड़के एक बहुमंजिला आवासीय इमारत के ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस और अन्य बचावकर्मियों की टीम ने राष्ट्रीय राजधानी के मुस्तफाबाद इलाके में तड़के करीब तीन बजे 20 साल पुरानी चार मंजिला इमारत के ढहने के बाद घटनास्थल पर 12 घंटे से अधिक समय तक बचाव कार्य चलाया। पुलिस के अनुसार, इमारत में 22 लोग थे, जिनमें से ज़्यादातर कुछ परिवारों के सदस्य थे। इमारत के मालिक तहसीन और उनके परिवार के छह सदस्य इमारत ढहने से मरने वाले 11 लोगों में शामिल हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा कि हो सकता है कि भूतल पर ''दो-तीन दुकानों'' में हो रहे निर्माण कार्य के कारण इमारत ढह गई हो।

स्थानीय लोगों ने भी कहा कि नई दुकान पर निर्माण कार्य के कारण यह इमारत ढह गई होगी। उन्होंने चार से पांच अन्य इमारतों की गंभीर स्थिति पर भी चिंता जताई। सलीम अली ने कहा, ''सीवर का गंदा पानी वर्षों से इमारतों की दीवारों में रिस रहा है। समय के साथ नमी के कारण ढांचे कमजोर होने से दीवारों में दरारें आ गई हैं।'' दिल्ली नगर निगम ने एक बयान में कहा कि यह इमारत लगभग 20 साल पुरानी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इमारत ढहने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और घटना पर दुख जताया है। आसपास की इमारतों में रहने वाले निवासियों ने भी झटके महसूस किए और कहा कि यह भूकंप जैसा था तथा नीचे की मंजिल हिल रही थी। ढह चुकी इमारत के बगल में रहने वाले शिव विहार निवासी रायन ने कहा, ऐसा लगा जैसे हमारे घर से कुछ टकराया हो लेकिन जब हमने बाहर देखा तो पास की पूरी इमारत मलबे में तब्दील हो चुकी थी।'' पुलिस ने कहा कि तड़के करीब तीन बजकर दो मिनट पर दयालपुर थाने में इमारत ढहने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम शक्ति विहार की गली नंबर-1 पहुंची, जहां मलबे में 22 लोग दबे थे। एनडीआरएफ, दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) और एम्बुलेंस सेवाओं की बचाव टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। मलबे से बाहर निकाले जाने के बाद घायलों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। इससे पूर्व, एनडीआरएफ के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मोहसिन शाहिदी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम इसे 'पैनकेक कोलैप्स' कहते हैं - ढहने का एक खतरनाक प्रकार जिसमें बचने की संभावना न्यूनतम होती है। फिर भी, हमें उम्मीद है कि लोग जिंदा होंगे और हम सक्रिय रूप से उनकी तलाश कर रहे हैं।

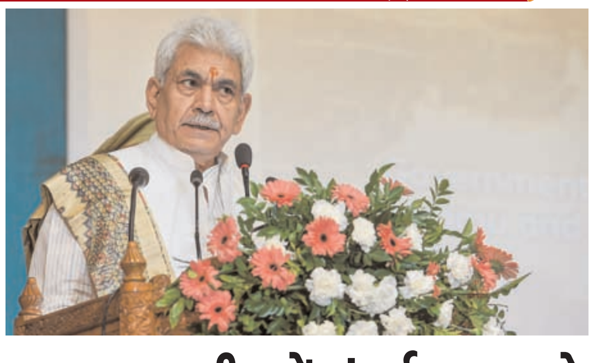

जम्मू-कश्मीर में संघर्ष भड़काने वालों को फिर से पनपने की इजाजत नहीं दी जाएगी : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि निर्दोष लोगों का खून बहाना ''आतंक के आकाओं'' और ''संघर्ष भड़काने वालों'' का सबसे बड़ा धंधा बन गया है। उन्होंने संकल्प जताया कि वह जम्मू कश्मीर में ऐसी ताकतों को फिर से सिर नहीं उठाने देंगे।

सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में पुलिस, सुरक्षा बल और प्रशासन ने लोगों के सहयोग से जम्मू-कश्मीर को उस दौर से बाहर निकालने में काफी हद तक सफलता हासिल की है, लेकिन अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। उपराज्यपाल ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं जिम्मेदारी के साथ यह कहना चाहता हूं कि निर्दोष लोगों की हत्या करना आतंक के आकाओं और संघर्ष भड़काने वालों के लिए सबसे बड़ा धंधा बन गया है। संघर्ष भड़काने वालों ने (जम्मू-कश्मीर में) आतंकवाद के इर्द-गिर्द एक विशाल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर लिया है।'' उन्होंने कहा, ''अभी भी कुछ ऐसे तत्व हैं जो सक्रिय होने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं आपको आश्वासन देता हूं कि ऐसे किसी भी व्यक्ति को फिर से पनपने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मुझे खुशी है कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने उनके नापाक इरादों को समझना शुरू कर दिया है।''

सिन्हा ने कार्यक्रम में उपस्थित सूफी विद्वानों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि संघर्ष भड़काने वाले ऐसे लोगों के लिए समाज में कोई जगह न हो।

मराठी भाषा का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : सुप्रिया सुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के जबरन क्रियान्वयन में मराठी को नजरअंदाज करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सुले का यह बयान महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य भर के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के फैसले पर विपक्षी दलों के आक्रोश के बीच आया है। पुणे में पत्रकारों से बातचीत में बारामती की सांसद ने कहा, ''महाराष्ट्र में सीबीएसई बोर्ड को अनिवार्य बनाने के शिक्षा मंत्री के बयान का विरोध करने वालों में मैं सबसे पहले थी। मौजूदा राज्य बोर्ड को सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) से बदलने की क्या जरूरत है? भाषा के मुद्दे पर चर्चा करने से पहले हमें राज्य में बुनियादी शिक्षा ढांचे के बारे में बात करनी चाहिए।'' केंद्र द्वारा संदर्भित गैर सरकारी संगठन 'प्रथम फाउंडेशन' द्वारा जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (असर) का हवाला देते हुए उन्होंने गणित, विज्ञान और भाषाओं में छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को एनईपी को लागू करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इससे छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और शिक्षक इस बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं। सुले ने कहा, ''अगर महाराष्ट्र में एनईपी के लागू होने से मराठी भाषा को कोई नुकसान होता है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मराठी को प्राथमिकता दी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि अगर अन्य भाषाएं शुरू की जा रही हैं, तो माता-पिता को भाषा चुनने का विकल्प होना चाहिए।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई देश की संपत्ति की रक्षा के लिए है : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का उद्देश्य देश की संपत्तियों को ''गांधी परिवार द्वारा निजी इस्तेमाल के लिए कब्जे में लेने से बचाना है।'' गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी अब बंद हो चुके नेशनल हेराल्ड अखबार के माध्यम से उस संपत्ति पर नियंत्रण करने की साजिश में शामिल थे, जो मूल रूप से सार्वजनिक हित के लिए थी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई देश की संपत्ति को बचाने के लिए है।'' उन्होंने कहा कि ऐसी संपत्ति लोगों को वापस लौटाई जानी चाहिए।

गोयल ने दावा किया, ''इसका इस्तेमाल लोगों के लिए किया जाना चाहिए, न कि गांधी परिवार के लिए, जो इसे अपने हितों के वास्ते (अपने नियंत्रण में) रखने की कोशिश कर रहा है।''

नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद कांग्रेस केंद्र के सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है और इस कदम को ''प्रतिशोध की राजनीति'' करार दे रही है।

भारत, ब्रिटेन में प्रस्तावित समझौते के लिए वार्ता अंतिम चरण की ओर: सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है और दोनों पक्ष शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय निवेश संधि में मुद्दों पर चर्चा करने के लिए ब्रिटेन की एक टीम यहां आई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके ब्रिटिश समकक्ष चांसलर रेचल रीव्स के बीच 13वीं मंत्रिस्तरीय भारत-ब्रिटेन आर्थिक और वित्तीय वार्ता (ईएफडी) नौ अप्रैल को पूरी हुई।

इस वार्ता में उन्होंने द्विपक्षीय एफटीए पर बातचीत को जल्द पूरा करने की इच्छा और सकारात्मकता दिखाई। सूत्रों ने संकेत दिया कि अब वार्ता का एक और पूर्ण दौर होने की संभावना नहीं है, क्योंकि चर्चाएं तेज गति से आगे बढ़ रही हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार एवं व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने 24 फरवरी को दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए बातचीत बहाल करने की घोषणा की। आठ महीने से अधिक समय के अंतराल के बाद बातचीत बहाल हुई। वार्ता 13 जनवरी, 2022 को शुरू हुई थी। अब तक 14 दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। दोनों देश तीन अलग-अलग मोर्चों- एफटीए, द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और दोहरा योगदान सम्मेलन समझौता पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। प्रस्तावित भारत, यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता की प्रगति पर सूत्रों में से एक ने कहा कि दोनों एक प्रारंभिक फसल समझौते के लिए चर्चा कर रहे हैं।

सेना ने गलवान, सियाचिन ग्लेशियर सहित पूरे लद्दाख में मोबाइल संपर्क की सुविधा प्रदान की

श्रीनगर/भाषा। गलवान और सियाचिन ग्लेशियर सहित दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिक अब अपने प्रियजनों के साथ संपर्क में बने रह सकते हैं, क्योंकि सेना ने लद्दाख क्षेत्र में विश्वसनीय उच्च गति युक्त मोबाइल संपर्क की सुविधा प्रदान की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल विभाजन को पाटने और दूरदराज के समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम उठाते हुए, भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख, पश्चिमी लद्दाख और सियाचिन ग्लेशियर के अग्रिम स्थानों सहित लद्दाख के दूरदराज और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अभूतपूर्व मोबाइल संपर्क की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि पहली बार दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ), गलवान, डेमचोक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर जैसे दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिकों को अब विश्वसनीय 4जी और 5जी मोबाइल सेवा मिल पाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल 18,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर अलग-थलग सर्दियों में तैनात सैनिकों के लिए मनोबल बढ़ाने वाली साबित हुई है, जिससे उन्हें अपने परिवारों और प्रियजनों से जुड़े रहने में मदद मिली है। यह अहम प्रयास संपूर्ण सरकारी ढांचे के तहत एक सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें भारतीय सेना ने अपने मजबूत ऑप्टिकल फाइबर केबल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के साथ साझेदारी की है।

टीटीडी अध्यक्ष नायडू ने भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में अनियमितताओं की एसीबी से जांच कराने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति(आंध्र प्रदेश)/भाषा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बी आर नायडू ने शनिवार को कहा कि वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से पिछले पांच वर्षों में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में हुई सभी कथित अनियमितताओं की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से जांच कराने की मांग करेंगे।

उनकी यह टिप्पणी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी नेताओं के उन आरोपों के बीच आई है, जिनमें कहा गया है कि पिछले तीन महीनों में टीटीडी की गौशाला में 100 से अधिक गायों की मौत हुई है। बी आर नायडू ने गौशाला के दौरे के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुख्यमंत्री के लौटते ही हम पिछले पांच वर्षों में हुई सभी अनियमितताओं की एसीबी से जांच कराने का अनुरोध करने के लिए एक ज्ञापन सौंपेंगे।''

टीटीडी अध्यक्ष के अनुसार, कुछ लोग जानबूझकर मुख्य धारा की मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से मंदिर प्रशासन के खिलाफ ''झूठा अभियान'' चला रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों का खंडन करते हुए पिछली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार को दोषी ठहराया और कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान गायों के लिए चारा उपलब्ध कराने में भी विफल रही। बी आर नायडू ने आरोप लगाया, ''उन्होंने (वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार ने) ओंगोल में दान की गई गायों को बेच दिया और अब वे तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे हैं। भगवान पाप करने वालों को दंड देंगे।'' गौशाला में गायों की कथित तौर पर मौत होने के सिलसिले में कुछ लोगों द्वारा जनहित याचिका दायर करने की धमकी दिये जाने को रेखांकित करते हुए नायडू ने कहा कि वह ऐसी कार्रवाइयों का स्वागत करते हैं, बशर्ते जनहित याचिकाओं में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पांच साल के शासन के दौरान टीटीडी कोष के कथित दुरुपयोग के बारे में शिकायतें भी शामिल हों। उन्होंने ऐसी कानूनी कार्यवाही में पूर्ण सहयोग का वादा किया और कहा कि तेदेपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तहत पिछले 10 महीनों के दौरान टीटीडी में ''कोई अनियमितता'' नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ''धमकियां देना और ध्यान भटकाने वाली राजनीति करना अनुचित है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।'' टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता बी करुणाकर रेड्डी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि पिछले तीन महीनों में टीटीडी गौशाला में 'लापरवाही' के कारण लगभग 100 गायों की मौत हो गई।

टीटीडी सभी गैर-हिंदू कर्मचारियों के लिए 'न्याय' सुनिश्चित करेगा: अध्यक्ष नायडू

तिरुपति/भाषा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बी आर नायडू ने शनिवार को कहा कि संस्था सभी गैर-हिंदू कर्मचारियों के लिए 'न्याय' सुनिश्चित करेगी। अध्यक्ष नायडू ने रेखांकित किया कि 200 से अधिक गैर हिंदू कर्मचारियों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि उक्त कर्मचारियों को गैर-तीर्थयात्रा संबंधी भूमिकाएं सौंपने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) की पेशकश करने जैसे विकल्पों पर विचार किया जाएगा। नायडू ने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में कहा, ''हम उनके (गैर-हिंदू कर्मचारियों) लिए भी न्याय सुनिश्चित करेंगे। टीटीडी का इरादा उन्हें रातोंरात घर भेजने का नहीं है। हिंदू धर्म ऐसी कार्रवाई का आदेश नहीं देता है। इसलिए, हम नियमों के अनुसार चलेंगे।'' टीटीडी अध्यक्ष के मुताबिक पहले चरण में 48 गैर-हिंदू कर्मचारियों की पहचान की गई है।

राज्य में न बिकने वाले अखबारों को करोड़ों के विज्ञापन देना जनता के पैसे की बर्बादी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में न छपने वाले नेशनल हेराल्ड जैसे अखबारों को करोड़ों रुपए के विज्ञापन देना जनता के पैसों की बर्बादी हैं।

नड्डा शनिवार को हिमाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

कांगड़ा पहुंचने के बाद भाजपा अध्यक्ष सड़क मार्ग से चंबा के लिए रवाना हुए, जहां उनका एक जनसभा को संबोधित करने और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करने का कार्यक्रम है। धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा ने नड्डा से शिष्टाचार भेंट की।

नड्डा ने बाद में मीडियाकर्मियों से बातचीत में कांग्रेस नीत राज्य सरकार पर निशाना साधा और कहा कि नेशनल हेराल्ड जैसे अखबारों को करोड़ों रुपए के विज्ञापन देना, जो हिमाचल प्रदेश में न तो बिकते हैं और न ही देखे जाते हैं, जनता के पैसों की बर्बादी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में न तो पेंशन और न ही कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जाता है।

सरकार ने तीर्थयात्रियों, पर्यटकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सतर्क किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने ऑनलाइन बुकिंग के जरिये विशेष रूप से चार धाम तीर्थयात्रियों और देशभर में पर्यटकों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी करने वालों के प्रति लोगों से सतर्क रहने को कहा है। गृह मंत्रालय ने बयान में कहा ये धोखाधड़ी फर्जी वेबसाइट, भ्रामक सोशल मीडिया पेज, फेसबुक पोस्ट और गूगल विज्ञापनों के जरिए की जा रही हैं। इस तरह की धोखाधड़ी करने के लिए पेशेवर दिखने वाली फर्जी वेबसाइट तथा सोशल मीडिया प्रोफाइल और व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाती हैं। बयान के अनुसार, केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग, चार धाम तीर्थयात्रियों के लिए अतिथि गृह और होटल बुकिंग, ऑनलाइन कैब या टैक्सी बुकिंग, 'होलीडे पैकेज' और धार्मिक यात्राओं के नाम पर लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाने देंगे: उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाने देगी।

ठाकरे का यह बयान राज्य सरकार द्वारा कक्षा एक से पांचवीं तक के छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर अनिवार्य करने के फैसले के बाद आया है।

शिवसेना (उबाठा) की श्रमिक शाखा भारतीय कामगार सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को हिंदी भाषा से कोई परहेज नहीं है, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि इसे क्यों थोपा जा रहा है? ठाकरे ने दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मिशन लोगों को एकजुट नहीं होने देना और उन्हें लगातार दबाव में रखना है ताकि वे इन चिंताओं में उलझे रहें। उन्होंने कहा, ''हम महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनने देंगे।'' ठाकरे की यह टिप्पणी महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य भर के मराठी और अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के निर्णय पर विपक्ष के विरोध के बीच आयी है, जो दो भाषा अध्ययन की प्रथा से हटकर है। उन्होंने कहा, ''आप हमसे स्नेह से कहेंगे तो हम सब कुछ करेंगे, लेकिन अगर आप कुछ थोपेंगे तो हम उसका विरोध करेंगे। हिंदी (सीखने) के लिए यह दबाव क्यों?'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने ही राज्य में मराठी सीखना अनिवार्य करने का फैसला किया था। ठाकरे ने कहा, ''आगर आप राज्य में रहना चाहते हैं तो आपको जय महाराष्ट्र कहना होगा।'' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति पर निशाना साधते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार उन लोगों के लिए काम कर रही है जो महाराष्ट्र और मराठी को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी मराठी के साथ अन्याय करने वालों के अधीन कैसे हो सकती है और फिर बाल ठाकरे की विरासत के उत्तराधिकारी होने का दावा कैसे कर सकती है? शिवसेना (उबाठा) प्रमुख ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी की उस टिप्पणी का जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि मुंबई आने वाले किसी भी व्यक्ति को मराठी सीखना जरूरी नहीं है।

मंदसौर में विवाह समारोह में भोजन करने से 100 से अधिक लोग बीमार; 45 का इलाज जारी

मंदसौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक विवाह समारोह में 'रसमलाई' खाने से 100 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उप मंडल दंडाधिकारी शिवलाल शाक्य ने बताया कि बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर फतेहगढ़ में यह समारोह आयोजित किया गया था, जिसके बाद अगले दिन करीब 100 लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। उन्होंने बताया कि खाद्य विषाक्तता के कारण गांव के कुल 45 लोगों का इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। एसडीएम ने बताया, मैंने उपचाराधीन लोगों से मुलाकात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावित लोगों को सभी स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं। कई लोगों को दवाइयां देने के बाद घर जाने दिया गया। जिला खाद्य निरीक्षक को घटना की जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

हैदराबाद में एमएलसी चुनाव से दूर रहेगी बीआरएस : राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने शनिवार को कहा कि पार्टी ने हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से 23 अप्रैल को होने वाले विधानपरिषद सदस्य चुनाव (एमएलसी) से दूर रहने का फैसला किया है क्योंकि उसके (बीआरएस) पास जीतने के लिए आवश्यक संख्या नहीं है।

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी के उस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि बीआरएस और कांग्रेस चुनाव न लड़कर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के उम्मीदवार को जिताने की कोशिश कर रही हैं, राव ने इसके जवाब में कहा कि उनकी पार्टी (बीआरएस) ने चुनाव से दूर रहने का फैसला इसलिए किया है क्योंकि वह भाजपा या एआईएमआईएम का समर्थन नहीं कर सकती।

राव ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''किशन रेड्डी जो चाहें कह सकते हैं। सच्चाई यह है कि हमारे पास स्थानीय निकाय चुनाव में जीतने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। इसलिए, हमने चुनाव से दूर रहने और बहिष्कार करने का फैसला किया है। हम भाजपा या एआईएमआईएम के पक्ष में मतदान नहीं कर सकते इसलिए हम चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेंगे।''

स्टालिन ने कारीगर विकास योजना 'कलैगनर कैविनई थित्तम' की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांचीपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नाम पर कारीगर विकास योजना 'कलैगनर कैविनई थित्तमद्ध (केकेटी) की शुरुआत की और केंद्र की प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना को उसके मौजूदा स्वरूप में खारिज किया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने यहां कुंद्राथुर में अपनी सरकार की विश्वकर्मा योजना की शुरुआत के अवसर पर कहा कि विश्वकर्मा योजना के विपरीत, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार का कार्यक्रम जाति के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव नहीं करता, बल्कि जातिगत समावेशिता को बढ़ावा देता है।

स्टालिन ने कहा, विश्वकर्मा योजना युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त किए बिना ही अपने पैतृक व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रेरित करके पारिवारिक व्यवसाय को प्रोत्साहित करती है। सरकार का कर्तव्य युवाओं को शिक्षा के द्वार तक लाना होना चाहिए, उन्हें शिक्षा से हतोत्साहित करना या उन्हें पारिवारिक व्यवसाय अपनाने के लिए मजबूर करना नहीं।

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, उनकी सरकार पुधुमई पेन्न और तमिल पुधलवन जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख परिवर्तन, जिन्हें केंद्र ने विश्वकर्मा योजना में स्वीकार करने से इनकार कर दिया था, उन्हें केकेटी में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें विशेष रूप से आवेदकों की न्यूनतम आयु को केंद्रीय योजना में 18 वर्ष की तुलना में बढ़ाकर 35 वर्ष करना तथा कार्यक्रम में रुचि रखने वाले सभी कारीगरों को लाभ प्रदान करना शामिल है, जबकि केंद्र की पहल में जाति या परिवार आधारित व्यापार को शामिल किया गया था। स्टालिन ने कहा कि इसके अलावा, उन्होंने केंद्र से आग्रह किया था कि लाभार्थियों के सत्यापन की जिम्मेदारी ग्राम

पंचायत प्रमुखों के बजाय ग्राम प्रशासनिक अधिकारियों (वीएओ) पर डाली जाए लेकिन इसे भी अस्वीकार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, केकेटी ने कारीगरों और शिल्पकारों की आजीविका में सुधार करके और उन्हें उद्यमी बनने में मदद करके उनका समर्थन करता है। स्टालिन ने कहा कि इसने 25 हस्तशिल्प और उद्योगों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि न कि केवल पारंपरिक पारिवारिक व्यवसायों में लगे कारीगर, बल्कि सभी पृष्ठभूमि के कारीगर, लाभान्वित हो सकें। उन्होंने बताया, इसलिए हमने केंद्र सरकार को लिखित रूप से सूचित किया है कि तमिलनाडु प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना को स्वीकार नहीं करेगा। हम हस्तशिल्प कारीगरों की आजीविका की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए दृढ़ हैं। इसलिए, हमने एक ऐसी योजना बनाने का फैसला किया जो जाति के आधार पर उनके बीच कोई भेदभाव न करे। इसलिए यह कलैगनर कैविनई थित्तम लायी गई है।

स्टालिन ने एमएसएमई मंत्री टी एम अनबरसन की इस क्षेत्र में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए सराहना की। स्टालिन ने कहा, हमारा शासन किसी पार्टी का नहीं, बल्कि सिद्धांत-आधारित शासन है। मैं कहता रहा हूं कि हम इसी आधार पर योजनाएं बना रहे हैं। अगर तमिलनाडु ने जबरदस्त विकास हासिल किया है, तो यह बड़ी कंपनियों की वजह से नहीं, बल्कि यह सफलता एमएसएमई क्षेत्र के विकास के कारण संभव हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2023 को विश्वकर्मा के नाम से जाने जाने वाले पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता देने के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना शुरू की थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्टालिन ने घोषणा की कि भौगोलिक सूचकांक सब्सिडी को 25,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये किया जाएगा और कांचीपुरम जिले में 5 करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केकेटी कारीगरों को आधुनिक तरीकों से नये व्यवसाय शुरू करने या मौजूदा व्यवसायों का विस्तार करने में मदद करने के लिए वित्तीय सहायता, कौशल विकास और उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत, पात्र कारीगर 25 प्रतिशत सब्सिडी (50,000 रुपये तक) और 5 प्रतिशत तक की ब्याज सब्सिडी के साथ 3 लाख रुपये तक का ऋण ले सकते हैं।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग के तत्वावधान में आयोजित समारोह में 8,951 लाभार्थियों को 34 करोड़ रुपये की सब्सिडी के साथ 170 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति आदेश सौंपते हुए स्टालिन ने कहा, कलैगनर कैविनई थित्तम सामाजिक न्याय स्थापित करने के लिए लाया गया है, जाति के आधार पर भेदभाव करने के लिए नहीं। ईंट भट्ठा कार्य, मिट्टी के बर्तन, मिश्र धातु निर्माण, आभूषण निर्माण, लकड़ी के काम, मूर्तिकला, कांच का काम, संगीत वाद्ययंत्र शिल्प आदि केकेटी के तहत आने वाले 25 पारंपरिक व्यापारों में से हैं।

मंगलुरु में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान यातायात अवरुद्ध करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 के खिलाफ शुक्रवार को मंगलुरु में हुए प्रदर्शन को अवैध बताते हुए प्रदर्शनकारियों और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि उलेमा कोऑर्डिनेशन कमेटी-कर्नाटक के नेतृत्व में अडयार-कन्नूर में स्थित शा गार्डन में आयोजित विरोध प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 73 पर यातायात घंटों बाधित रहा। उन्होंने बताया कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के मद्देनजर प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया गया था कि राजमार्ग को अवरुद्ध न किया जाए।

इस प्रदर्शन का आह्वान मंगलुरु और उडुपी के शहर मुफ्तियों ने किया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालने और राजमार्ग जाम करने के आरोप में कंकनाडी टाउन थाने में तीन नामजद आरोपियों समेत कई प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शुरू हुए इस प्रदर्शन में हजारों मुस्लिम शामिल हुए थे। जब प्रदर्शन स्थल शा गार्डन और आसपास का इलाका खचाखच भर गया तो भीड़ राष्ट्रीय राजमार्ग 73 पर फैल गई।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार शाम लगभग 4:30 बजे प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने जानबूझकर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे और बीच में जमा होकर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया। पुलिस के अनुसार प्रदर्शनकारियों से बार-बार अपील की गई कि वे सड़क खाली कर दें ताकि यातायात सुचारू रूप से चल सके लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। पुलिस ने प्रारंभिक वीडियो विश्लेषण और प्रत्यक्ष अवलोकन के आधार पर तीन व्यक्तियों की पहचान की है जिन्हें इस मामले में आरोपी बनाया गया है। इन तीनों की पहचान जलील, फजल, और मोहम्मद हनीफ नौफल के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में प्रदर्शन के आयोजक किसी बड़े मुस्लिम नेता या धर्मगुरु के खिलाफ न तो कार्रवाई की है और न ही उनके नाम प्राथमिकी में दर्ज किये हैं।

गौरतलब है कि इस प्रदर्शन से एक दिन पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि विरोध प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित न हो। न्यायालय ने यह भी कहा था कि जब वक्फ अधिनियम में संशोधन का मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है तो राज्य को ऐसे विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

राज्य की मुख्य विपक्षी भाजपा ने आरोप लगाया है कि उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के बावजूद राजमार्ग को अवरुद्ध किया गया और पुलिस महज तमाशबीन बनी रही क्योंकि इस प्रदर्शन को राज्य की कांग्रेस सरकार का पर्दे के पीछे से समर्थन था। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रवक्ता कैप्टन गणेश कार्णिक ने आरोप लगाया कि यह पूरा प्रदर्शन कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की मिलीभगत से आयोजित किया गया। दूसरी तरफ पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और इस मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तमिलनाडु के राज्यपाल रवि, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल चौहान ने की उपराष्ट्रपति धनखड़ से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शनिवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक की तस्वीरें साझा कीं।

पोस्ट में कहा गया, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने आज उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

इसके अलावा, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने भी उपराष्ट्रपति से मुलाकात की। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने आज उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

एमडीएमके नेता दुरई वाइको ने आंतरिक कलह के चलते पार्टी पद से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) नेता एवं इसके संस्थापक वाइको के बेटे दुरई वाइको ने शनिवार को पार्टी के प्रमुख सचिव पद से इस्तीफा दे दिया। माना जा रहा है कि पार्टी में आंतरिक कलह की वजह से उन्होंने यह कदम उठाया है। राज्य के तिरुचिरापल्ली से लोकसभा सदस्य दुरई वाइको ने 'एक्स' पर इस फैसले की घोषणा की और अपने इस्तीफे के लिए एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया।

एमडीएमके के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी रविवार को अपनी प्रशासनिक परिषद की बैठक में दुरई के इस्तीफे पर फैसला करेगी। दुरई ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब कुछ दिन पहले ही वाइको ने पार्टी की जिला इकाइयों को 20 अप्रैल की बैठक से पहले कोई भी प्रस्ताव पारित न करने के लिए आगाह किया है। दुरई ने कहा कि जब से वह मुख्यालय सचिव चुने गए, तब से एक व्यक्ति जो इसे बर्दाश्त नहीं कर पाया, वह पिछले चार वर्षों से पार्टी और इसके नेतृत्व के खिलाफ आरोप लगा रहा है।

दुरई ने बगैर किसी का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि वह लगातार मीडिया को ऐसी जानकारी दे रहा है, जिससे वाइको की 'बदनामी' हो रही है। दुरई ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति ने इस तरह की हरकत करके पार्टी को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा, मैं ऐसे व्यक्ति के रहते हुए प्रमुख सचिव के पद पर काम नहीं करना चाहता। इसलिए मैं प्रमुख सचिव के पद से खुद को मुक्त कर रहा हूं। दुरई ने कहा कि वह रविवार को एमडीएमके मुख्यालय 'थयागम' में प्रशासनिक परिषद की बैठक में भाग लेंगे, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वह भविष्य में होने वाली किसी भी ऐसी बैठक में भाग नहीं लेंगे, जिसमें बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएं।

दुरई ने कहा कि उनका यह फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि पार्टी या इसके संस्थापक वाइको को उनकी वजह से कोई नुकसान न हो। उन्होंने कहा, साथ ही, मैं एमडीएमके के लिए इसके प्राथमिक कार्यकर्ता के रूप में काम करना जारी रखूंगा।

दुरई ने कहा कि वह तिरुचिरापल्ली के लोगों के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिन्होंने उन्हें लोकसभा के लिए चुना है। एमडीएमके तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नीत गठबंधन का हिस्सा है। इस बीच, एमडीएमके की स्थायी समिति के अध्यक्ष ए अर्जुनराज सहित वरिष्ठ नेताओं के एक समूह ने यहां पार्टी महासचिव वाइको के साथ इस मामले पर चर्चा की। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस मामले पर अब प्रशासनिक परिषद की बैठक में चर्चा की जाएगी और एक बेहतर निर्णय घोषित किया जाएगा।

दक्षिण रेलवे ने चेन्नई की पहली एसी ईएमयू सेवा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन के अंतर्गत पहली एसी ईएमयू शनिवार को चेन्नई बीच-चेंगलपट्टू कॉरिडोर पर चली। यह उपनगरीय रेल नेटवर्क में एक और महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसे अक्सर शहर और इसके आसपास के शहरों की परिवहन जीवन रेखा के रूप में जाना जाता है। यह ट्रेन नियमित ईएमयू रेक की तुलना में अधिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिनमें स्वचालित दरवाजे और यात्री सूचना प्रणाली शामिल हैं।

पहली ट्रेन सुबह सात बजे चेन्नई बीच से चेंगलपट्टू के लिए रवाना की गई और उत्सुक यात्रियों ने यात्रा का आनंद लिया। दक्षिण रेलवे के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को परेशानी मुक्त और सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करना है। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री द्वारा निर्मित अत्याधुनिक 12-कार एसी ईएमयू कई आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

अभिनेता शाइन टॉम चाको मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। मलयालम फिल्म अभिनेता शाइन टॉम चाको को पुलिस ने शनिवार को मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किया है। उनकी गिरफ्तारी उस घटना के संबंध में लगभग चार घंटे की लंबी पूछताछ के बाद हुई, जिसमें वह कथित तौर पर कोच्चि में एक होटल से मादक पदार्थों के सिलसिले में की गयी छापेमारी के दौरान भाग गए थे। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 27 (किसी भी मादक द्रव्य या मनोवैज्ञानिक पदार्थ का सेवन) और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि चिकित्सा जांच और आगे की कार्यवाही जल्द ही की जाएगी। पुलिस द्वारा जारी औपचारिक नोटिस के जवाब में चाको शनिवार को पूछताछ के लिए कोच्चि सिटी पुलिस के समक्ष पेश हुए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार की रात को शाइन को जब पता चला कि पुलिस का दल होटल में आया है तो वह तीसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे की खिड़की से दूसरी मंजिल पर कूद गए थे और फिर वह उसी मंजिल पर बने 'स्विमिंग पूल' से होते हुए सीढ़ियों से उतरकर भाग गए थे।

केरल की वाम सरकार के चार साल पूरे होने से संबंधित समारोहों का बहिष्कार करेगा विपक्षी गठबंधन यूडीएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) केरल में वामपंथी सरकार के चार साल पूरे होने से संबंधित समारोहों का पूरी तरह से बहिष्कार करेगा।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने शनिवार को यह जानकारी दी। सतीशन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि सभी मोर्चों पर विफल रही और राज्य को कर्ज के जाल में धकेलने वाली सरकार को अपने कार्यकाल की वर्षगांठ मनाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की सरकार पर आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं समेत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की पूरी तरह से अनदेखी करने और अपने दूसरे कार्यकाल के चार साल के शासन के दौरान फिजूलखर्ची में लिप्त होने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के वर्षगांठ समारोहों का बहिष्कार करेगा, लेकिन स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि विकास कार्यों से संबंधित कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं। पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार 21 अप्रैल से 23 मई तक जिला व राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर अपनी चौथी वर्षगांठ मनाएगी।

पीएससी परीक्षा से पहले विरोध करना सीख लें: डब्ल्यूसीपीओ रैंक धारकों की नौकरी चाहने वालों को सलाह

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम में नियुक्ति आदेश की मांग को लेकर पिछले 18 दिनों से यहां सचिवालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहीं महिला सिविल पुलिस अधिकारी (डब्ल्यूसीपीओ) रैंक धारकों ने राज्य लोक सेवा आयोग (पीएससी) परीक्षाओं की तैयारी करने वालों को सलाह दी है कि वे पहले विरोध करना सीख लें। शनिवार को उनकी रैंक सूची की वैधता की अंतिम तिथि है। दरअसल राज्य सरकार ने हाल में लगभग 45 रैंक धारकों को नियुक्ति आदेश दिए हैं, इनमें कुछ प्रदर्शन में शामिल हैं। लेकिन सैकड़ों उम्मीदवार अभी भी ऐसे हैं जिनके नाम सूची में हैं लेकिन उन्हें नियुक्तियां नहीं मिली हैं।

एक प्रदर्शनकारी ने एक टीवी चैनल से कहा, हम पीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों से कहना चाहते हैं कि परीक्षा देने से पहले आपको यह पता होना चाहिए कि विरोध कैसे करना है, एकेजी केंद्र (माकपा पार्टी मुख्यालय) कहां स्थित है और किन अधिकारियों से आपको विनती करनी है। डब्ल्यूसीपीओ के एक अन्य उम्मीदवार ने कहा कि वे केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की हाल की टिप्पणी से आहत हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि केवल योग्य लोगों की नियुक्ति के ही आदेश दिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने लिखित परीक्षा और शारीरिक परीक्षा पास कर ली है, फिर भी मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि हम पात्र नहीं हैं। इस बीच, 'केरल काउंसिल ऑफ चर्चेस' विरोध प्रदर्शन कर रहे उम्मीदवारों की मदद के लिए आगे आया है और उसने एक संबद्ध संगठन द्वारा कुछ स्टार्टअप में नौकरियों की पेशकश की है। महिला सीपीओ रैंक धारकों का आरोप है कि सरकार जानबूझकर रैंक सूची की अनदेखी कर रही है क्योंकि 2022 में अस्तित्व में आने वाली सूची से केवल कुछ लोगों को ही नियुक्ति मिली है।

जातीय जनगणना है 'सबसे अधिक वैज्ञानिक' प्रक्रिया : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जातीय जनगणना को सबसे अधिक वैज्ञानिक प्रक्रिया करार देते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि मंत्रिमंडल सभी मंत्रियों की राय सुनने के बाद इसके क्रियान्वयन पर निर्णय लेगा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब समाज के विभिन्न वर्गों ने इस जनगणना को 'अवैज्ञानिक' करार देते हुए सर्वेक्षण रिपोर्ट का विरोध किया है।

उन्होंने मांग की है कि इसे खारिज किया जाए और नया सर्वेक्षण कराया जाए। जातीय जनगणना रिपोर्ट पर विचार-विमर्श करने के बृहस्पतिवार को बुलाई गई मंत्रिमंडल की विशेष बैठक कथित तौर पर सरकार के आंतरिक मतभेदों के कारण बेनतीजा रही थी। मंत्रिमंडल की फिर दो मई को इस विषय पर बैठक होने वाली है। परमेश्वर ने कहा, सभी मंत्रियों से अपनी राय बताने को कहा गया है। हममें से कुछ ने मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान चर्चा में भाग लिया है, चर्चा जारी रहेगी, सभी अपनी राय रखेंगे। सभी की राय सुनने के बाद मंत्रिमंडल निर्णय लेगा। यह किसी व्यक्ति या मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि मंत्रिमंडल का निर्णय होगा।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि कुछ समुदायों ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि सर्वेक्षण में उनकी जनसंख्या कम दिखाई गई है। परमेश्वर ने कहा कि सर्वेक्षण का अध्ययन करने के बाद उन्हें लगता है कि यह 'सबसे वैज्ञानिक' कवायदों में एक है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में तो यहां तक जानकारी जुटायी गयी है कि क्या किसी व्यक्ति द्वारा खोदा गया बोरवेल पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ सफल रहा या फिर वह सूखा निकला। उन्होंने कहा, 'हर घर से सूचनाएं जुटाने के बाद हस्ताक्षर लिए गए हैं और उनपर पर्यवेक्षकों के हस्ताक्षर भी हैं। ये आंकड़े/सूचनाएं उपलब्ध हैं। सर्वेक्षण के दौरान 1.37 करोड़ परिवारों से संपर्क किया गया और सभी सूचनाएं हस्ताक्षरों के साथ मौजूद हैं। सूत्रों का कहना है कि बृहस्पतिवार को मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान कुछ मंत्रियों ने सर्वेक्षण रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने इसे अवैज्ञानिक और पुराना बताते हुए उनके समुदाय के लोगों की कम संख्या बताने को लेकर चिंता जताई है। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंत्रियों से लिखित या मौखिक रूप से अपनी राय देने को कहा। विशेषकर दो प्रमुख समुदायों - वोक्कालिगा और वीरशैव लिंगायत - समेत कर्नाटक के कई समुदायों ने इस सर्वेक्षण पर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे अवैज्ञानिक बताया है। उन्होंने मांग की है कि इसे खारिज किया जाए और एक नया सर्वेक्षण कराया जाए। सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर से भी इसके खिलाफ जोरदार आवाजें उठ रही हैं।

यह चिन्नास्वामी के आम विकेट की तरह नहीं है, हमने सबक भी नहीं लिया : हेज़लवुड

बेंगलूरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड ने कहा कि यहां का विकेट चिन्नास्वामी के आम विकेट की तरह नहीं है तथा उनके बल्लेबाजों का पिछले मैचों से सबक नहीं लेने के कारण उन्हें अपने घरेलू मैदान पर लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। आरसीबी को शुक्रवार को बारिश से प्रभावित मैच में पंजाब किंग्स से पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले वह अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स से भी हार गया था। हेज़लवुड ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, यह चिन्नास्वामी के आम विकेट की तरह नहीं है। निश्चित तौर पर इसमें हमेशा उछाल रहती है लेकिन अब इसमें कम विविधता देखने को मिल रही है।

इससे पहले आरसीबी के मेंटर (मार्गदर्शक) दिनेश कार्तिक भी यहां की किसकी आलोचना कर चुके हैं। हेज़लवुड ने कहा, यह हमारी घरेलू मैदान पर लगातार तीसरी हार है। शायद ऐसा इसलिए हुआ कि हमने पिछले दो मैच से जल्दी सबक नहीं सीखा और हमने जितना हो सकता था उतना अभ्यास भी नहीं किया। हम शुरुआती ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए। उन्होंने कहा, पिछले दो मैच में हमारी गेंदबाजी पहले से बेहतर रही लेकिन हम इतनी जल्दी सुधार नहीं कर पाए जितना हमें करना चाहिए था।

हिरासत

जयपुर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोप दायर करने के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

रणथंभौर में बाघ के हमले में बालक की मौत के बाद सरिस्का में वन विभाग सतर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के रणथंभोर बाघ अभयारण्य में पिछले दिनों बाघ के हमले एक बालक की मौत की घटना के बाद अलवर जिले के सरिस्का में सरिस्का प्रशासन सतर्क हो गया है। वन विभाग के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि सरिस्का में स्थापित धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं को अब हिदायत के बाद प्रवेश दिया जा रहा है। इसके लिए वहां के पुजारी को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी श्रद्धालु मंदिर परिसर से इधर-उधर न जाए। अलवर सरिस्का का एक क्षेत्र बाला किला है जो अलवर शहर से सटा है। इसके आसपास आबादी है। यहां गांव भी बहुत हैं। इस बाला किला क्षेत्र में दो बाघों की गतिविधियां लगातार देखी जा रही हैं।

ये बाघ अपना क्षेत्र बनाने के लिए प्रयासरत हैं। इस क्षेत्र में 10 से अधिक धार्मिक स्थल हैं। जहां रोजाना श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। करणी माता का मंदिर, चक्रधारी हनुमान मंदिर, आडापाड़ा मंदिर, भूरा सिद्ध मंदिर मुख्य धार्मिक स्थल हैं। जहां श्रद्धालु रोज आते जाते है। इसी से सटे अलवर सदर के आबादी रहित क्षेत्र में फिलहाल पांच बाघों की गतविधियां बनी हुई हैं। बाला किला क्षेत्र में पिछले दिनों करणी सागर जल स्रोत के समीप बाघिन 2302 ने अपना इलाका बनाया था। जहां वह पर्यटकों को भी दिखाई दे रही थी। पिछले वर्ष भूरा सिद्ध मंदिर के समीप बनी कॉलोनी के पीछे बाघ देखा गया था, जिसके वीडियो भी वायरल हुए थे। अब रणथम्भौर में हुए बाघ के हमले के बाद करणी सागर स्थित करणी माता मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं को भी रोका दिया गया है। श्रद्धालुओं को सलाह दी जा रही है कि वे किसी भी वाहन से जायें, लेकिन पैदल न जाएं। हालांकि अतीत में अलवर के सरिस्का से बाहर निकले बाघों ने आमजन पर भी हमले किए, लेकिन वे गंभीर किस्म के नहीं थे। वन अधिकारी शंकर सिंह ने बताया कि बाला किला क्षेत्र में बाघिन के वहां से अपना स्थान बदलने के बाद ही श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू किया गया। सरिस्का के आबादी रहित क्षेत्र में पहले भी मंदिरों के आस पास बाघों का इलाका रहा है। अब श्रद्धालुओं को पूरी तरह से सुरक्षित रहने और मंदिर के रास्ते के अलावा जंगल में नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरिस्का प्रशासन द्वारा जंगलों में स्थित धार्मिक स्थलों के आस पास निगरानी दल की गश्त भी बढ़ा दी गई है। जिससे रणथम्भौर जैसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने बताया कि करणी माता के रास्ते पर होमगार्ड और स्थाई कर्मी तैनात किये गये हैं जो हमेशा स्थिति की जानकारी देते रहते हैं। सफारी मार्ग पर किसी को भी पैदल नहीं जाने दिया जा रहा है। सूचना पट भी लगाए जा रहे हैं जिसमें सावधानी बरतने के निर्देश दिये गये हैं। सिंह ने बताया कि मौजूदा कर्मियों को यह पता चल जाता है कि वहां पर बाघ की हलचल देखी गयी है तो वहां आवागमन रोक दिया जाता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जयपुर में ईडी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए जाने के विरोध में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के इस प्रदर्शन के मद्देनजर ईडी कार्यालय के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्योति नगर से ईडी कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उनकी पुलिस से झड़प हुई। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अवरोधक पार करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया।

कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया और बाद में अशोक नगर थाने में छोड़ दिया गया।

युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुधींद्र मूंड ने कहा कि केंद्र सरकार विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है, इसीलिए राहुल गांधी और सोनिया गांधी के मामले में आरोप पत्र पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 25 अप्रैल को दिल्ली में पेश होंगे और उसके बाद राजस्थान से सभी युवा कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली जाकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्श करेंगे। उन्होंने कहा कि हम केंद्र सरकार की एजेंसियों से नहीं डरते और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता आने वाले दिनों में पूरे राज्य में ईडी के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सतवीर चौधरी ने कहा कि ईडी भाजपा के मुखौटा संगठन के रूप में काम कर रही है, इसीलिए हम ईडी कार्यालय पर ताला लगाने आए थे।

राजस्थान में गर्मी और लू का प्रकोप, पारा 45 डिग्री के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में तेज धूप, गर्म हवाएं और लू की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले 24 घंटे और भी अधिक गर्म साबित हो सकते हैं। तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राजधानी जयपुर समेत अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, और भरतपुर में शनिवार सुबह से ही सूरज ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। सुबह 9 बजे के बाद से ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली और दोपहर तक कई शहरों में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। जयपुर में अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री, जोधपुर में 43.2 डिग्री, बीकानेर में 44 डिग्री और चूरू में 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, बाड़मेर और जैसलमेर जैसे जिलों में गर्म हवाएं 35 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं। इन हवाओं के कारण लू जैसी स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में धूल भरी आंधी की भी संभावना जताई है, जिससे दृश्यता पर असर पड़ सकता है।

पूर्वी राजस्थान के कोटा, बूंदी, अलवर और भरतपुर जैसे जिलों में भी गर्मी का असर साफ नजर आ रहा है। इन क्षेत्रों में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

हालांकि कुछ इलाकों में शाम को आंशिक बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है, लेकिन इससे गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम ही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस समय राजस्थान में कोई प्रमुख पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है। यही कारण है कि प्रदेश में गर्मी का यह दौर अगले कुछ दिनों तक यूं ही बना रह सकता है। रविवार से तापमान में मामूली गिरावट के संकेत जरूर हैं, लेकिन इससे ज्यादा राहत की उम्मीद नहीं की जा सकती।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति के स्वागत को जयपुर तैयार, राजस्थानी अंदाज से होंगे रूबरू, करेंगे आमेर के किले की सैर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड (जेडी) वेंस 21 अप्रैल को भारत यात्रा पर आ रहे हैं। उनके स्वागत के लिए जयपुर में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। वे चार दिन की भारत यात्रा पर रहेंगे, जिस दौरान 'पिंक सिटी' का भी भ्रमण करेंगे। उपराष्ट्रपति वेंस फिलहाल इटली में अपने परिवार के साथ हैं और सोमवार (21 अप्रैल) को भारत पहुंचेंगे। वह सबसे पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद उसी शाम जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। जयपुर एयरपोर्ट पर उनका रेड कार्पेट वेलकम किया जाएगा।

वेंस 21 से 24 अप्रैल तक जयपुर में रहेंगे। 22 अप्रैल की सुबह वह ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा करेंगे, जहां उनका पारंपरिक राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया जाएगा। वेंस और उनके परिवार को जोधपुरी साफा पहनाया जाएगा और राजस्थानी कठपुतली शो, लोक नृत्य, पारंपरिक भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम दिखाए जाएंगे। इसके बाद वे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होने वाले यूएस-इंडिया बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगे और दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को लेकर अपना विजन साझा करेंगे।

23 अप्रैल को वे अमेरिकी वायुसेना के विशेष विमान से आगरा जाकर ताजमहल का दीदार करेंगे। वहां लगभग तीन घंटे रुकने के बाद वे दोपहर में फिर से जयपुर लौट आएंगे और उसी दिन जयपुर सिटी पैलेस भी देखेंगे। 24 अप्रैल की सुबह 6:30 बजे वे वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हो जाएंगे। जयपुर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिनमें राजस्थान पुलिस के सादे कपड़ों में अधिकारी, 20 गाड़ियों का काफिला और विशेष एम्बुलेंस शामिल हैं। आमेर किले को वेंस की यात्रा के दौरान ढाई घंटे के लिए आम जनता के लिए बंद रखा जाएगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर दिल्ली में वेंस की अगवानी करेंगे और उनके साथ आमेर किले की यात्रा में भी शामिल हो सकते हैं। बिजनेस समिट के बाद उपराष्ट्रपति वेंस राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से भी मुलाकात करेंगे। वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा, बच्चे इवान, विवेक और मिराबेल समेत अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी भी होंगे। पिछले 13 वर्षों में यह पहली बार है जब कोई अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत का दौरा कर रहा है। इससे पहले 2013 में जो बाइडेन भारत आए थे।

मनरेगा कार्यों का समय बदला

बारां। राजस्थान सरकार ने गर्मी के तीव्र प्रकोप को देखते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत श्रमिकों के कार्य समय में बदलाव किया है। जिला कलक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक रोहिताश्व सिंह तोमर ने शनिवार को बताया कि यह व्यवस्था 21 अप्रैल से 30 जून 2025 तक प्रभावी रहेगी। नई व्यवस्था के अनुसार अब मनरेगा श्रमिक सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक विश्राम काल सहित कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि यह निर्णय श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

तोमर ने बताया कि कोई श्रमिक समूह निर्धारित कार्य को समय से पहले पूर्ण कर लेता है, तो वे मेट के पास उपलब्ध मस्टररोल में कार्य की माप करवाकर एवं समूह के मुखिया के हस्ताक्षर के उपरांत कार्यस्थल छोड़ सकते हैं। उन्होंने कार्यस्थलों पर स्वच्छ एवं शीतल पेयजल, छाया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही प्राथमिक उपचार बॉक्स में इलेक्ट्राल एवं ग्लूकॉस की पर्याप्त उपलब्धता भी अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिये।

राज्य सरकार को लू से बचाने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता से कार्य करना चाहिए काम : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने लगाातार बढ़ते तापमान एवं लू के प्रकोप से बचने के लिए राज्य सरकार की बदइंतजामी पर उच्च न्यायालय की चिंता को जायज बताते हुए कहा है कि सरकार को लू से आमजन का जीवन बचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय बनाकर इस पर कार्य करना चाहिए जिससे लोग असमय मृत्यु का शिकार न हों। गहलोत ने शनिवार को अपने बयान में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि पिछली साल 30 मई को न्यायालय ने लू से होने वाली मौतों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए इस संबंध में निर्देश भी जारी किए थे परन्तु राज्य सरकार ने इन निर्देशों को लागू नहीं किया और इस साल गर्मी आने तक की भी कोई उचित व्यवस्था आमजन की रक्षा के लिए नहीं की। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने भीषण गर्मी से बचाव के लिए सरकारी प्रयासों पर नाराजगी जताते हुए जवाब मांगा है कि लू से बचने के लिए क्या किया जा रहा है।

दलितों पर अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शनिवार को सीकर में दलित युवक के साथ हुई अमानवीय घटना का जिक्र करते हुए राज्य में दलितों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और सरकार से दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। जूली ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा सरकार के राज में दलितों पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहे। जूली ने 'एक्स' पर लिखा, कल भीलवाड़ा, आज सीकर, कल कौन होगा ? दलितों पर हैवानियत की हदें पार।

उन्होंने लिखा, सीकर में एक दलित युवक का अपहरण कर गुप्तांगों पर हमला, उस पर पेशाब करना, बोतल से सिर फोड़ना और कुकर्म करना.... ये किसी फिल्म की कहानी नहीं हैं, ये आज के राजस्थान की हकीकत है। ये दरिंदगी की घटना शर्मसार करने वाली है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार में दलितों पर अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे। कल भीलवाड़ा जिले में आज सीकर जिले में दलितों पर हो रही एक के बाद एक घटनाएं हैवानियत की हदें पार कर रही है। उन्होंने कहा की प्रदेश में खासकर आदिवासियों, दलितों, गरीबों और कमजोर वर्गों के खिलाफ लगातार बढ़ते अपराध ये दिखा रहे है की अपराधियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। जूली ने कहा, मुख्यमंत्री जी से सीधी-सीधी मांग है - अपराधियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई कीजिए और पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय दिलाएं।

खाचरियावास पर ईडी कार्रवाई को मंत्री जोगाराम पटेल ने ठहराया सही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि यह कोई नया मामला नहीं है, बल्कि यह जांच गहलोत सरकार के समय से ही चल रही है। जोगाराम पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत जब प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब से ही जांच की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि पर्ल एग्रो कॉर्पोरेशन से जुड़े 28 लाख निवेशकों को न्याय कब मिलेगा? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खाचरियावास और उनके परिवार पर इस घोटाले में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं।

उन्होंने कहा कि प्रताप सिंह को जांच में सहयोग करना चाहिए और न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार कभी भी द्वेष भावना से कार्रवाई नहीं करती, बल्कि सत्य के आधार पर हर कार्रवाई की जाती है। जिसने जितना खाया है, सब बाहर निकलेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने सवाल किया कि जब वह संजीवनी घोटाले को लेकर सवाल करते हैं, तो पहले यह बताएं कि पर्ल घोटाले के पीड़ितों को अब तक न्याय क्यों नहीं मिला। पटेल ने आगे कहा कि खाचरियावास को अपनी भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि राजनीति में संयम आवश्यक है। जो नेता अपनी मर्यादा भूल जाता है, उसका पतन निश्चित होता है।

कांग्रेस द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में लगातार विरोध-प्रदर्शन करने और गहलोत द्वारा खुद को सबसे पहले जेल भेजे जाने की बात कहने पर पटेल ने कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा कि गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा दायर एक मुकदमा दिल्ली में विचाराधीन है, उनका इतना ही मन है तो उनका निर्णय होने दें, उनकी इच्छा पूरी हो जाएगी। लेकिन नेशनल हेराल्ड केस में तो उनको जेल हो ही जाएंगे जो आरोपी हैं, आरोपी के सिवा कोई जेल नहीं जाएगा।

दलित समाज को लंदन घुमाएगी राजस्थान सरकार, बाबा साहेब के घर तक पहुंचेगा काफिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक देखने को मिला है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दलित समाज के लिए ऐसी योजना का ऐलान कर दिया है, जिसने एक झटके में सियासी तापमान बढ़ा दिया है। अब दलित समाज के लोग सरकारी खर्चे पर न सिर्फ भारत में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर से जुड़े स्थलों की यात्रा कर सकेंगे, बल्कि लंदन भी जा सकेंगे- जहां बाबा साहेब ने वकालत की पढ़ाई करते हुए ऐतिहासिक संघर्षों की नींव रखी थी।

इस योजना का नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर पंचतीर्थ योजना, जिसे हाल ही में सीएम ने लॉन्च किया है। इसके तहत चुने गए 1000 लोगों को सरकार की तरफ से विशेष यात्रा कराई जाएगी, वो भी रहने, खाने और यात्रा के पूरे खर्च के साथ। पहले जत्थे को बस से रवाना किया जा चुका है और अब ट्रेन से सफर कराने पर भी मंथन चल रहा है। लेकिन असली सरप्राइज तो है लंदन की विदेश यात्रा!

'पांचवां तीर्थ बनाया गया है वह ऐतिहासिक घर जो लंदन में स्थित है, जहां बाबा साहेब रहते थे और वहीं से उन्होंने लॉ की पढ़ाई की थी। भारत सरकार इस घर को खरीदकर पहले ही एक स्मारक में तब्दील कर चुकी है। अब राजस्थान सरकार चाहती है कि दलित समाज के लोग खुद वहां जाकर उस इतिहास को महसूस करें, जिसने उन्हें सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़नी सिखाई।

लंदन यात्रा के लिए अलग से कोई आवेदन नहीं होगा। जिन लोगों को पंचतीर्थ यात्रा के लिए चुना जाएगा, उन्हीं में से कुछ भाग्यशाली लोग नियमों और दस्तावेजों (जैसे पासपोर्ट, वीजा आदि) के आधार पर विदेश यात्रा पर भेजे जाएंगे। लंदन में क्या सिर्फ बाबा साहेब का घर दिखाया जाएगा या बाकी जगहें भी, इस पर फैसला जल्द ही उच्च स्तरीय बैठक में लिया जाएगा। योजना को लेकर सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत का कहना है कि योजना में आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और सामाजिक न्याय विभाग की वेबसाइट से की जा सकेगी। दलित समाज के किसी भी व्यक्ति के पास अगर राज्य का निवास प्रमाण और स्वास्थ्य संबंधी प्रमाण हैं, तो वो आवेदन कर सकता है।

देवीसिंह शेखावत ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से की मुलाकात

कोटपुतली-बहरोड़। बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नवगठित कोटपुतली-बहरोड़ जिले में न्यायिक व्यवस्था को सशक्त करने के लिए दो प्रमुख मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा। विधायक शेखावत ने कोटपुतली में जिला एवं सैशन न्यायालय (डीजे कोर्ट) और बानसूर विधानसभा क्षेत्र के नारायणपुर उपखंड में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कार्यालय की स्थापना की मांग की। उन्होंने बताया कि कोटपुतली में डीजे कोर्ट की मांग को लेकर कोटपुतली, पावटा, बानसूर, नारायणपुर और विराटनगर के अभिभाषक संघों ने संयुक्त रूप से 53 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया था।

इस आंदोलन के दौरान विधायक देवीसिंह शेखावत, कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल और विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने मिलकर अभिभाषकों को आश्वासन दिया था कि डीजे कोर्ट कोटपुतली में ही खोला जाएगा, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ था।

बाबासाहेब के मूल्यों-आदर्शों को आत्मसात करने वाला एकमात्र दल भाजपा है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/(भाषा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम पर लोकलुभावन नारे-भाषण देने वाले अनेक आएंगे, लेकिन उनके मूल्यों-आदर्शों को आत्मसात करने वाला एकमात्र दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को यहां गोरखपुर क्लब में अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित एक विचार गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्षी दलों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस जातीय संघर्ष कराना चाहती हैं। योगी ने अपील करते हुए कहा कि समाज को जातीय आधार पर बटने नहीं देना है, बल्कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अभियान के साथ जोड़ना है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बाबासाहेब ने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए पूरे देश को सम्मान दिलाया और बाबासाहेब के कारण ही बिना भेदभाव हर व्यक्ति को समान मताधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधने का श्रेय बाबासाहेब को ही जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबासाहेब ने मेहनत के साथ संविधान तैयार कराया, लेकिन जब कांग्रेस ने संशोधन पर संशोधन प्रारंभ किए तो वे उद्वेलित हुए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बाबासाहेब को संविधान सभा में जाने नहीं देना चाहती थी, लेकिन लोकप्रियता व भारत मां की प्रतिबद्धता के कारण वह संविधान सभा के सदस्य बने, फिर उन्हें ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया और पंडित नेहरू नहीं चाहते थे कि उन्हें यह पद मिले, इसके लिए काफी षडयंत्र भी किया। योगी ने कहा कि कांग्रेस व सपा लगातार प्रयास करती रही, जिसके कारण समाज में विद्वेष,अराजकता पैदा होता रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 1952 में बाबासाहेब को चुनाव नहीं जीतने दिया और उन्हें हराने वाले को पद्म पुरस्कार दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1954 उपचुनाव में कांग्रेस ने उनके निजी सहायक को ही उनके खिलाफ चुनाव लड़ाया, बाबासाहेब फिर हार गए। योगी ने कहा कि जब हिंदू महासभा के एक सदस्य ने पुणे की सीट छोड़ी, तब बाबासाहेब संसद में जा पाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनकी कर्मठता, विद्वता, एससी-एसटी व देश के प्रति प्रतिबद्धता से घबराई थी, इसलिए कदम-कदम पर उनके मार्ग में बाधा खड़ा करती थी। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं तो आश्चर्य होता है कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने डॉ. अंबेडकर का अपमान किया था। उन्होंने कहा कि जब मैं सांसद था तो कुशीनगर में मुसहर समाज की लोगों की भूख से मौत की जानकारी लेने गया था और उस समय प्रदेश में सपा सरकार थी। उन्होंने कहा कि मुझे पता चला कि मुसहर समाज के लोगों के राशन कार्ड सपा पदाधिकारियों के पास थे, गरीब भूख से मरता था और सपा के लोग उनके नाम पर राशन लेते थे।

वायुसेना की 'सूर्य किरण एरोबैटिक टीम' 23 अप्रैल को पटना के आसमान में करतब दिखाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/पटना/भाषा। भारतीय वायु सेना की विशिष्ट 'सूर्य किरण एरोबैटिक टीम' नौ हॉक एमके-132 जेट विमानों के जरिए 23 अप्रैल को 'शौर्य दिवस' पर गंगा नदी के तट पर हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे।

इस दिन बिहार के स्वतंत्रता सेनानी वीर कुंवर सिंह द्वारा 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिखाए गए पराक्रम का जश्न मनाया जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि अपने प्रतिष्ठित लाल एवं सफेद 'हॉक एमके-132' जेट विमानों और 'एयरो इंडिया' एवं 'वायुसेना दिवस' में अपने शानदार 'एयर शो' के लिए मशहूर 'सूर्य किरण एरोबैटिक टीम' (एसकेएटी) बिहार की राजधानी में ''पहली बार'' करतब दिखाएगी।

प्रयागराज में जन संपर्क अधिकारी (रक्षा), ग्रुप कैप्टन समीर गंगाखेडकर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''नौ विमान आसमान में करतब दिखाएंगे।''

प्रयागराज में एक टेंट कंपनी के गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल के दो अधिकारी और पांच कर्मचारी झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रयागराज के परेड ग्राउंड में एक टेंट कंपनी के गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई जिसमें दमकल के दो अधिकारी और पांच कर्मचारी झुलसने के कारण मामूली रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े छह बजे की है। घटनास्थल पर मौजूद गोदाम में काम करने वाले राहुल नाम के व्यक्ति ने बताया कि यह गोदाम 'लल्लू जी एंड ब्रदर्स' का है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने कहा, ''आग बुझाने के काम में दमकल की 18 गाड़ियों की मदद ली गई, जिनमें सेना की चार गाड़ियां भी शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि आग बुझाने के दौरान वह खुद, एक अन्य अधिकारी और पांच कर्मचारी मामूली रूप से झुलस गए। हालांकि, विभाग की त्वरित कार्रवाई से आस पास के कई गोदामों में रखे अरबों रुपए के माल को बचा लिया गया है। पांडेय ने बताया कि गोदाम में रखे चार एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट हो गया और परिसर में खड़ी दो स्कूटी जलकर खाक हो गईं। अधिकारी ने बताया कि आग की विकरालता को देखते हुए हंडिया, मेजा और सोरांव से दमकल की 10 गाड़ियां बुलाई गईं और लगभग छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि गोदाम के 20 कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और इस घटना में किसी भी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है।

सुशासन वह है जो संविधान के अनुसार पूरे देश को साथ लेकर चले : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (सपा) की प्रमुख मायावती ने शनिवार को कहा कि सुशासन वह है जो संविधान के अनुसार पूरे देश को साथ लेकर चले। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''पश्चिम के महाराष्ट्र, गुजरात तथा दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल में बसपा संगठन के गठन की तैयारी व मजबूती एवं पार्टी के जनाधार को बढ़ाने आदि पर दिल्ली में हुई बैठक में गहन समीक्षा की गई। आगे पूरे तन, मन, धन से पार्टी के कार्यों को दिशा-निर्देशानुसार बढ़ाने का संकल्प लिया गया।'' उन्होंने कहा, ''जनगणना व उसके आधार पर लोकसभा सीट का पुनः आवंटन, नई शिक्षा नीति और भाषा थोपने आदि मुद्दों पर इन राज्यों तथा केन्द्र के बीच विवाद का राजनीतिक स्वार्थ के लिए उपयोग करने से जन तथा देशहित का प्रभावित होना स्वाभाविक। 'गुड गवर्नेंस' (सुशासन) वही जो पूरे देश को संविधान के हिसाब से साथ लेकर चले।'' बसपा नेता ने कहा, ''वैसे भी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले खासकर शोषित-उपेक्षित गरीबों, दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्ग आदि के बच्चे अंग्रेजी का ज्ञान अर्जित किए बिना आगे चलकर सूचना प्रौद्योगिकी और कौशल के क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ सकते हैं? सरकार इस बात का जरूर ध्यान रखे। भाषा के प्रति नफरत अनुचित है।''

प. बंगाल के राज्यपाल ने की हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में मृतकों के परिजनों से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में मारे गए एक व्यक्ति और उसके बेटे के परिजनों से शनिवार को मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

हरगोविंद दास और चंदन दास के शव शमशेरगंज के जाफराबाद इलाके में उनके घर में पाए गए थे और शरीर पर चाकू से वार के कई निशान थे। बोस ने मृतकों के परिजन से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं अनुरोधों पर गौर करूंगा। तीन से चार सुझाव मिले हैं। उन्होंने इलाके में बीएसएफ की तैनाती की मांग की है। मैं इस मामले को उचित अधिकारियों के समक्ष उठाऊंगा। निश्चित रूप से कुछ ठोस कार्रवाई की जाएगी। मैंने उनके साथ 'शांति कक्ष' का नंबर (राजभवन की हेल्पलाइन) भी साझा किया है।'' मृतकों के गमगीन परिवार के सदस्य राज्यपाल के पैरों में गिरकर न्याय की गुहार लगाते देखे गए। बाद में, धुलियान बाजार इलाके में स्थानीय लोगों से बात करने के बाद बोस ने कहा, ''मैंने उनसे (पीड़ितों से) कहा है कि वे मुझसे बेझिझक बात करें। वे न्याय चाहते हैं और उन्हें न्याय मिलेगा।'' बोस जिले के धुलियान, सुती और जंगीपुर में अन्य हिंसा प्रभावित इलाकों का भी दौरा करेंगे। ग्रामीणों के एक वर्ग ने जाफराबाद के बेतबोना में सड़क को अवरूद्ध करते हुए प्रदर्शन किया तथा मांग की कि राज्यपाल, जिनका काफिला वहां से जा चुका था, वापस आएं और उनकी बात सुनें। अधिकारी ने बताया कि बोस बाद में बेतबोना वापस आये और ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें शांत किया। इन मुस्लिम बहुल इलाकों में 8-12 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान भड़की हिंसा में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इसके बाद इस सिलसिले में 274 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शमशेरगंज के लिए अपना दौरा शुरू करने से पहले बोस ने फरक्का के अतिथि गृह में प्रभावित परिवारों के कुछ सदस्यों से बात की जहां वह ठहरे हुए थे।

हिमंत ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह के लिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें डॉ. भूपेन हजारिका के सितंबर में शुरू होने वाले जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

हजारिका का जन्म आठ सितंबर 1926 को हुआ था। असम के मंत्रिमंडल ने हाल ही में संगीत सम्राट हजारिका की स्मृति में साल भर समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उन्हें असम आमंत्रित किया।''

उन्होंने बताया कि हजारिका की जन्म शताब्दी वर्ष में पूरे भारत में कार्यक्रम के आयोजन और स्मारक सिक्का जारी करने आदि की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने असम जैव-इथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन करने का भी उनसे (प्रधानमंत्री मोदी) अनुरोध किया, जिसकी उत्पादन क्षमता 49 केटीपीए इथेनॉल है तथा इसमें फीडस्टॉक के रूप में 300 केटीपीए बांस का उपयोग किया जाएगा।''

असम बायो इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड (एबीईपीएल) बांस अपशिष्ट से ईंधन-श्रेणी का इथेनॉल उत्पादन करने वाली पहली जैव-रिफाइनरी है और इसकी स्थापना नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) और फिनलैंड की दो कंपनियों, फोर्टम और केमपोलिस ओवाई के बीच एक संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में की गई है।

नीतीश कुमार ने बिहार में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया : राजद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना देने और साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रचार अभियान के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

राजद ने यह भी आरोप लगाया कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्य में वित्तीय अराजकता के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने आरोपों को ''निराधार'' करार दिया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''नीतीश कुमार बिहार में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना देने के लिए जिम्मेदार हैं...मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के प्रचार अभियान के लिए राज्य सरकार के धन का इस्तेमाल कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कल्याणकारी उपायों के बारे में महिलाओं से जुड़ने और उन्हें जागरूक करने के लिए हाल में शुरू की गई 'महिला संवाद' पहल, ''सरकारी धन का उपयोग कर'' जद(यू) के चुनाव प्रचार अभियान का हिस्सा है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''मंत्रिमंडल ने इसके लिए 225 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। राज्य सरकार अपने प्रचार के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल कर रही है...राज्य की महिलाओं के लिए जमीनी स्तर पर कुछ भी ठोस काम नहीं हुआ है, लेकिन प्रचार के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं।'' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों के लिए ''वैश्विक निविदाओं'' को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। राजद नेता ने कहा, ''मंत्रिमंडल ने दिसंबर 2024 से राज्य में निर्माण गतिविधियों के लिए 76,622 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी। हैरानी की बात है कि पहली बार सरकार ने इस तरह के काम के लिए वैश्विक निविदाएं जारी की हैं वैश्विक निविदाएं जारी करने का क्या कारण था?''

यादव ने दावा किया, ''इसके अलावा, हमने देखा है कि संपर्क सड़कों के बिना पुलों का निर्माण किया गया है, कई इमारतें बनकर तैयार हैं लेकिन संबंधित विभाग कब्जा नहीं ले रहे हैं, (नये) अस्पताल भवन में उपकरण या डॉक्टर नहीं हैं, हर घर नल का जल योजना पर कई करोड़ रुपए खर्च किए गए लेकिन पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य सरकार के मंत्रियों को परियोजनाओं के एवज में भारी कमीशन दिया गया।

यादव ने आरोप लगाया, ''मैंने सुना है कि प्रत्येक परियोजना के लिए संबंधित मंत्रियों को कुल राशि का लगभग 30 प्रतिशत कमीशन दिया जाता है...इसके जरिए राजग सरकार चुनावी खर्च जुटाने की कोशिश कर रही है।'' उन्होंने राज्य की बढ़ती देनदारियों को लेकर भी बिहार सरकार की आलोचना की।

खुद को नेता के रूप में नहीं देखता, सत्य का साधक हूं: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि सच्चाई के लिए खड़े होना गांधी-नेहरू की परंपरा रही है तथा वह खुद को नेता के रूप में नहीं देखते बल्कि सत्य का साधक (सीकर ऑफ ट्रुथ) मानते हैं। उन्होंने पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित के साथ एक पॉडकास्ट में नेहरू की राजनीति, आदर्श, विचार और योगदान के बारे बात की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इस संवाद के दौरान अमेरिकी शुल्क से जुड़े विषय का भी उल्लेख किया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी झुक गए, जबकि नेहरू और इंदिरा ऐसी परिस्थिति में कभी नहीं झुकते। उन्होंने अपने परिवार के राजनीतिक दर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि राजनीति वास्तव में सत्य के लिए होती है।

राहुल गांधी का कहना था, नेहरू जी ने हमें राजनीति नहीं सिखाई, उन्होंने हमें डर का सामना करना और सच्चाई के लिए खड़ा होना सिखाया। उन्होंने भारतीय नागरिकों को उत्पीड़न का विरोध करने और अंततः स्वतंत्रता का उदघोष करने का साहस दिया।

पटनायक नौवीं बार बने बीजद के अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं से भाजपा के झूठ को उजागर करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को लगातार नौवीं बार बीजू जनता दल (बीजद) का अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कथित झूठे विमर्श को उजागर करने का आह्वान किया। बीजद के संगठनात्मक चुनाव अधिकारी पीके देब ने राज्य मुख्यालय शंख भवन में आयोजित राज्य परिषद की बैठक में पटनायक को पार्टी अध्यक्ष घोषित किया।

बीजद अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पटनायक ने कहा, पिछले विधानसभा चुनाव में हमें हार मिली, हालांकि हमारी पार्टी को अधिक वोट मिले। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हम झूठे विमर्श का प्रभावी ढंग से मुकाबला नहीं कर सके। झूठा विमर्श गढ़ना बीजद के खिलाफ मुख्य रणनीति है। हमें आक्रामकता से इसे उजागर करना चाहिए, खासकर सोशल मीडिया पर। ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पटनायक ने यह भी कहा, हमें सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति सुधारने की जरूरत है। प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सच्चाई और तथ्य बताने के लिए किया जाना चाहिए और प्रौद्योगिकी के बिना हम लोगों तक नहीं पहुंच सकते। पटनायक क्षेत्रीय पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं और इस पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे। देब ने कहा, पटनायक को निर्विरोध बीजद अध्यक्ष चुना गया। देब ने बताया कि पार्टी की राज्य परिषद में 355 सदस्य हैं और उनमें से 80 को राज्य कार्यकारी सदस्य चुना गया है। सत्तारूढ़ भाजपा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए बीजद प्रमुख ने कहा, कोई भी हमारी पार्टी की संगठनात्मक ताकत को कम न आंके। बीजद कार्यकर्ताओं का जोश बहुत अधिक है। वे हमारी असली ताकत हैं।

चहल आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है: श्रेयस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने युजवेंद्र चहल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्होंने इस लेग स्पिनर से निजी बातचीत में रन जाने की चिंता करने के बजाय विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

चहल मौजूदा आईपीएल में शुरू में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन उन्होंने अब अपनी लय हासिल कर ली है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने रजत पाटीदार और जितेश शर्मा के विकेट लेकर पंजाब की पांच विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई।

अय्यर ने मैच के बाद कहा, ''मैंने निजी तौर पर चहल से बात की। मैंने उनसे कहा कि आप मैच विजेता हैं और आपको जितना संभव हो हमारे लिए विकेट हासिल करने हैं। आपको रक्षात्मक रवैया अपनाने की जरूरत नहीं है और आप वापसी करने की क्षमता रखते हो। हम एक लेग स्पिनर के तौर पर उनकी इसी बात के लिए प्रशंसा करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वह आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है, शायद आईपीएल में अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज है। आपको हर समय उसका समर्थन करना होगा।''

बारिश से प्रभावित यह मैच प्रति टीम 14 ओवर का कर दिया गया। आरसीबी की टीम में पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 95 रन बनाए। पंजाब ने 12.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से नेहल वढेरा ने 19 गेंद पर 33 रन की मैच विजेता पारी खेली।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, ''जैसा कि कहा जाता है कि विविधता जीवन में रंग भरती है। हमें भी यहां विभिन्न तरह के मैच का अनुभव मिलता है। यह बहुत बड़ी चुनौती होती है।'' पंजाब किंग्स के कप्तान ने वढेरा के आक्रामक रवैये की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, '' निश्चित तौर पर आपको एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करे। नेहल का रवैया आज शानदार था। उम्मीद है कि आगे भी वह इसी फॉर्म को बरकरार रखेगा।''

आरसीबी के कप्तान पाटीदार ने कहा कि उनके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''विकेट शुरू में बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल नहीं था लेकिन हम एक बल्लेबाजी इकाई के तौर पर अच्छा प्रदर्शन कर सके। साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण था लेकिन हमने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सबक है।''

खेलों और खिलाड़ियों के प्रति समाज की धारणा बदली: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि समाज में खेल और खिलाड़ियों को लेकर धारणा बदलल चुकी है और आज माता-पिता अपने बच्चों को लिएंडर पेस, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा, पीवी सिंधू, डी गुकेश और नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ियों के रूप में देखना चाहते हैं।

'खेलोगे कूदोगे होगे खराब, पढ़ोगे, लिखोगे तो बनोगे नवाब' नामक लोकप्रिय मुहावरे का जिक्र करते हुए राजनाथ ने कहा कि एक समय ऐसा माना जाता था कि खेलों में समय लगाना समय की बर्बादी है। लखनऊ के केडी सिंह 'बाबू' स्टेडियम में शनिवार को 'सांसद खेल महाकुंभ' में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, आज यह सोच बदल गई है और खेलों और खिलाड़ियों के प्रति समाज की धारणा बदल गई है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए यह बहुत जरूरी है कि खेलों और खिलाड़ियों को ना केवल समाज में महत्व दिया जाए बल्कि उन्हें फलने-फूलने का पूरा मौका भी दिया जाए। लखनऊ की खेल संस्कृति के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, लखनऊ शहर अपनी खेल संस्कृति के लिए उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश-विदेश में भी जाना जाता था। महान हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू, जिनके नाम पर यह स्टेडियम जाना जाता है, ने यहां लंबा समय बिताया था। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले ध्यानचंद ने भी लखनऊ की खेल संस्कृति को बढ़ाया है। यह उनके बेटे अशोक कुमार और मशहूर ओलंपियन जमनालाल शर्मा की कर्मभूमि रही है। 80 के दशक में लखनऊ के स्पोर्ट्स कॉलेज में भारत का पहला एस्ट्रो टर्फ भी लगाया गया था। उन्होंने कहा, आजकल लखनऊ में इंडियन प्रीमियर लीग के मैच हो रहे हैं, लेकिन एक समय था जब इसके केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शीशमहल ट्रॉफी नाम से क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन होता था और टीम इंडिया के बड़े-बड़े खिलाड़ी लखनऊ में खेलते नजर आते थे।

सुविचार

सफलता वह है जो आप चाहते हैं, खुशी वह है जो आप प्राप्त करते हैं।

ट्वीट

अध्यात्म, संस्कृति और वीरता के प्रतीक शेखावाटी की पावन भूमि में प्रवास के पहले दिन दांतारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पलसाना में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की सम्मानित जनता को संबोधित करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

-भजनलाल शर्मा

सऊदी अरब में आयोजित अंडर-18 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय एथलीट हिमांशु जाखड़ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

-दीया कुमारी

कहानी

अलिफ लैला

किस्सा गधे, बैल और उनके मालिक का

एक बड़ा व्यापारी था जिसके गाँव में बहुत-से घर और कारखाने थे जिनमें तरह-तरह के पशु रहते थे। एक दिन वह अपने परिवार सहित कारखानों को देखने के लिए गाँव गया। उसने अपनी पशुशाला भी देखी जहाँ एक गधा और एक बैल बँधे हुए थे। उसने देखा कि वे दोनों आपस में वार्तालाप कर रहे हैं। वह व्यापारी पशु-पक्षियों की बोली समझता था। वह चुपचाप खड़ा होकर दोनों की बातें सुनने लगा। बैल ने गधे से कहा, 'तू बड़ा ही भाग्यशाली है, सदैव सुखपूर्वक रहता है। मालिक हमेशा तेरा खयाल रखता है। तेरी रोज मलाई-दलाई होती है, खाने को दोनों समय जौ और पीने के लिए साफ पानी मिलता है। इतने आदर-सत्कार के बाद भी तुझसे केवल यह काम लिया जाता है कि कभी काम पड़ने पर मालिक तेरी पीठ पर बैठ कर कुछ दूर चला जाता है। तुझे दाने-घास की कभी कमी नहीं होती। 'और तू जितना भाग्यवान है मैं उतना ही अभागा हूँ। मैं सवेरा होते ही पीठ पर हल लादकर जाता हूँ। वहाँ दिन भर मुझे हल में जोतकर चलाते हैं। हलवाहा मुझ पर बराबर चाबुक चलाता रहता है। उसके चाबुकों की मार से पीठ और जुए से मेरे कंधे छिल गए हैं। सुबह से शाम तक ऐसा कठिन काम लेने के बाद भी ये लोग मेरे आगे सूखा और सड़ा भूसा डालते हैं जो मुझसे खाया नहीं जाता। रात भर मैं भूखा-प्यासा अपने गोबर और मूत्र में पड़ा रहता हूँ और तेरी सुख-सुविधा पर ईर्ष्या किया करता हूँ।'

गधे ने यह सुनकर कहा, 'ऐ भाई, जो कुछ तू कहता है सब सच है, सचमुच तुझे बड़ा कष्ट है। किंतु जान पड़ता है तू इसी में प्रसन्न है, तू स्वयं ही सुख से रहना नहीं चाहता। तू यदि मेहनत करते-करते मर जाए तो भी ये लोग तेरी दशा पर तरस नहीं खाएँगे। अतएव तू एक काम कर, फिर वे तुझ से इतनी मेहनत नहीं लिया करेंगे और तू सूख से रहेगा।' बैल ने पूछा कि ऐसा कौन-सा उपाय हो सकता है। गधे ने कहा, 'तू अपने को रोगी दिखा। एक शाम का दाना-भूसा न खा और अपने स्थान पर चुपचाप लेट जा।' बैल को यह सुझाव बड़ा अच्छा लगा। उसने गधे की बात सुनकर कहा, 'मैं ऐसा ही करूँगा। तूने मुझे बड़ा अच्छा उपाय बताया है। भगवान तुझे प्रसन्न रखें।'

दूसरे दिन प्रातःकाल हलवाहा जब पशुशाला में यह सोचकर गया कि रोज की तरह बैल को खेत जोतने के लिए ले जाए तो उसने देखा कि रात की लगाई सानी ज्यों की त्यों रखी है और बैल धरती पर पड़ा हाँफ रहा है, उसकी आँखें बंद हैं और उसका पेट फूला हुआ है। हलवाहे ने समझा कि बैल बीमार हो गया है और यह सोचकर उसे हल में न जोता। उसने व्यापारी को बैल के बीमारी की सूचना दी। व्यापारी यह सुनकर जान गया कि बैल ने गधे की शिक्षा पर कार्य कर के स्वयं को रोगी दिखाया है अतएव उसने हलवाहे से कहा कि आज गधे को हल में जोत दो। इसलिए हलवाहे ने गधे को हल में जोत कर उससे सारे दिन काम लिया। गधे को खेत जोतने का अभ्यास नहीं था। वह बहुत थक गया और उसके हाथ-पाँव ठंडे होने लगे। शारीरिक श्रम के अतिरिक्त सारे दिन उस पर इतनी मार पड़ी थी कि संध्या को घर लौटते समय उसके पाँव भी ठीक से नहीं पड़ रहे थे।

इधर बैल दिन भर बड़े आराम से रहा। वह नाँद की सारी सानी खा गया और गधे को दुआएँ देता रहा। जब गधा गिरता-पड़ता खेत से आया तो बैल ने कहा कि भाई, तुम्हारे उपदेश के कारण मुझे बड़ा सुख मिला। गधा थकान के कारण उत्तर न दे सका और आकर अपने स्थान पर गिर पड़ा। यह मन ही मन अपने को धिक्कारने लगा कि अभागे, तूने बैल को आराम पहुँचाने के लिए अपनी सुख-सुविधा का विनाश कर दिया। मंत्री ने इतनी कथा कर कहा, 'बेटी, तू इस समय बड़ी सुख-सुविधा में रहती है। तू क्यों चाहती है कि गधे के समान स्वयं को कष्ट में डाले?' शहरजाद अपने पिता की बात सुनकर बोली, 'इस कहानी से मैं अपनी जिद नहीं छोड़ती। जब तक आप बादशाह से मेरा विवाह नहीं करेंगे मैं इसी तरह आपके पीछे पड़ी रहूँगी।' मंत्री बोला, 'अगर तू जिद पर अड़ी रही तो मैं तुझे वैसा ही दंड दूँगा जो व्यापारी ने अपनी स्त्री को दिया था।' शहरजाद ने पूछा, 'व्यापारी ने क्यों स्त्री को दंड दिया और गधे और बैल का क्या हुआ?'

मंत्री ने कहा, 'दूसरे दिन व्यापारी रात्रि भोजन के पश्चात अपनी पत्नी के साथ पशुशाला में जा बैठा और पशुओं की बातें सुनने लगा। गधे ने बैल से पूछा, 'सुबह हलवाहा तुम्हारे लिए दाना-घास लाएगा तो तुम क्या करोगे?' 'जैसा तुमने कहा है वैसा ही करूँगा,' बैल ने कहा। गधे ने कहा, 'नहीं, ऐसा न करना, वरना जान से जाओगे। शाम को लौटते समय मैंने सुना कि हमारा स्वामी अपने रसोइए से कह रहा था कि कल कसाई और चमार को बुला लाना और बैल, जो बीमार हो गया है, का मांस और खाल बेच डालना। मैंने जो सुना था वह मित्रता के नाते तुझे बता दिया। अब तेरी इसी में भलाई है कि सुबह जब तेरे आगे चारा डाला जाए तो तू उसे जल्दी से उठकर खा ले और स्वस्थ बन जा। फिर हमारा स्वामी तुझे स्वस्थ देखकर तुझे मारने का इरादा छोड़ देगा।' यह बात सुन कर बैल भयभीत होकर बोला, 'भाई, ईश्वर तुझे सदा सुखी रखे। तेरे कारण मेरे प्राण बच गए। अब मैं वही करूँगा जैसा तूने कहा है। व्यापारी यह बात सुनकर ठहाका लगा कर हँस पड़ा। उसकी स्त्री को इस बात से बड़ा आश्चर्य हुआ। वह पूछने लगी, 'तुम अकारण ही क्यों हँस पड़े?' व्यापारी ने कहा कि यह बात बताने की नहीं है, मैं सिर्फ यह कह सकता हूँ कि मैं बैल और गधे की बातें सुन कर हँसा हूँ। स्त्री ने कहा, 'मुझे भी वह विद्या सिखाओ जिससे पशुओं की बोली समझ लेते हैं।' व्यापारी ने इससे इनकार कर दिया। स्त्री बोली, 'आखिर तुम मुझे यह क्यों नहीं सिखाते?' व्यापारी बोला, 'अगर मैंने तुझे यह विद्या सिखाई तो मैं जीवित नहीं रहूँगा।' स्त्री ने कहा, 'तुम मुझे धोखा दे रहे हो। क्या वह आदमी जिसने तुझे यह सिखाया था, सिखाने के बाद मर गया? तुम कैसे मर जाओगे? तुम झूठ बोलते हो। कुछ भी हो मैं तुम से यह विद्या सीख कर ही रहूँगी। अगर तुम मुझे नहीं सिखाओगे तो मैं प्राण तज दूँगी।'

यह कह कर वह स्त्री घर में आ गई और अपनी कोठरी का दरवाजा बंद कर के रात भर चिल्लाती और गाली-गलौज करती रही। व्यापारी रात को तो सो गया लेकिन दूसरे दिन भी वही हाल देखा तो स्त्री को समझाने लगा कि तू बेकार जिद करती है, यह विद्या तेरे सीखने योग्य नहीं है। स्त्री ने कहा कि जब तक तुम मुझे यह भेद नहीं बताओगे, मैं खाना-पीना छोड़े रहूँगी और इसी प्रकार चिल्लाती रहूँगी। व्यापारी ने कहा कि अगर मैं तेरी मूर्खता की बात मान लूँ तो मैं अपनी जान से हाथ धो बैठूँगा। स्त्री ने कहा, 'मेरी बला से तुम जियो या मरो, लेकिन मैं तुमसे यह सीख कर ही रहूँगी कि पशुओं की बोली कैसे समझी जाती है।'

व्यापारी ने जब देखा कि यह महामूर्ख अपना हठ छोड़ ही नहीं रही है तो उसने अपने और ससुराल के रिश्तेदारों को बुलाया कि वे उस स्त्री को अनुचित हठ छोड़ने के लिए समझाएँ। उन लोगों ने भी उस मूर्ख को हर प्रकार समझाया लेकिन वह अपनी जिद से न हटी। उसे इस बात की बिल्कुल चिंता न थी कि उसका पति मर जाएगा। छोटे बच्चे माँ की यह दशा देखकर हाहाकार करने लगे।

व्यापारी की समझ ही में नहीं आ रहा था कि वह स्त्री को कैसे समझाए कि इस विद्या को सीखने का हठ ठीक नहीं है। वह अजीब दुविधा में था - अगर मैं बताता हूँ तो मेरी जान जाती है और नहीं बताता तो स्त्री रो रो कर मर जाएगी। इसी उधेड़बुन में वह अपने घर के बाहर जा बैठा। उसने देखा कि उसका कुत्ता उसके मुर्गे को मुर्गियों से भोग करते देख कर गुर्राने लगा। उसने मुर्गे से कहा, 'तुझे लज्जा नहीं आती कि आज के जैसे दुखदायी दिन भी तू यह काम कर रहा है?' मुर्गे ने कहा, 'आज ऐसी क्या बात हो गई है कि मैं आनंद न करूँ?' कुत्ता बोला, 'आज हमारा स्वामी अति चिंताकुल है। उसकी स्त्री की मति मारी गई है और वह उससे ऐसे भेद को पूछ रही है जिसे बताने से वह तुरंत ही मर जाएगा। नहीं बताएगा तो स्त्री रो-रो कर मर जाएगी। इसी से सारे लोग दुखी हैं और तेरे अतिरिक्त कोई ऐसा नहीं है जो स्त्री संभोग की भी बात भी सोचे।' मुर्गा बोला, 'हमारा स्वामी मूर्ख है जो एक स्त्री का पति है और वह भी उसके अधीन नहीं है। मेरी तो पचास मुर्गियाँ हैं और सब मेरे अधीन हैं। अगर हमारा स्वामी एक काम करे तो उसका दुख अभी दूर हो जाएगा।'

कुत्ते ने पूछा कि स्वामी क्या करे कि उसकी मूर्ख स्त्री की समझ वापस आ जाए। मुर्गे ने कहा, 'हमारे स्वामी को चाहिए कि एक मजबूत डंडा लेकर उस कोठरी में जाए जहाँ उसकी स्त्री चीख-चिल्ला रही है। दरवाजा अंदर से बंद कर ले और स्त्री की जम कर पिटाई करे। कुछ देर में स्त्री अपना हठ छोड़ देगी।' मुर्गे की बात सुनकर व्यापारी ने उठकर एक मोटा डंडा लिया और उस कोठरी में गया जहाँ उसकी पत्नी चीख-चिल्ला रही थी। दरवाजा अंदर से बंद कर के व्यापारी ने स्त्री पर डंडे बरसाने शुरू कर दिए। कुछ देर चीख-पुकार बढ़ाने पर भी जब स्त्री ने देखा कि डंडे पड़ते ही जा रहे हैं तो वह घबरा उठी। वह पति के पैरों पर गिर कर कहने लगी कि अब हाथ रोक ले, अब मैं कभी ऐसी जिद नही करूँगी। इस पर व्यापारी ने हाथ रोक लिया। यह कहानी सुनाकर मंत्री ने शहरजाद से कहा कि अगर तुमने अपना हठ न छोड़ा तो मैं तुम्हें ऐसा ही दंड दूँगा जैसा व्यापारी ने अपनी स्त्री को दिया था। शहरजाद ने कहा 'आप की बातें अपनी जगह ठीक हैं किंतु मैं किसी भी प्रकार अपना मंतव्य बदलना नहीं चाहती। अपनी इच्छा का औचित्य सिद्ध करने के लिए मुझे भी कई ऐतिहासिक घटनाएँ और कथाएँ मालूम हैं लेकिन उन्हें कहना बेकार है। यदि आप मेरी कामना पूरी न करेंगे तो मैं आप से पूछे बगैर स्वयं ही बादशाह की सेवा में पहुँच जाऊँगी।' अब मंत्री विवश हो गया। उसे शहरजाद की बात माननी पड़ी। वह बादशाह के पास पहुँचा और अत्यंत शोक-संतप्त स्वर में निवेदन करने लगा, 'मेरी पुत्री आपके साथ विवाह सूत्र में बँधना चाहती है।' बादशाह को इस बात पर बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने कहा, 'तुम सब कुछ जानते हो फिर भी तुमने अपनी पुत्री के लिए ऐसा भयानक निर्णय क्यों लिया?' मंत्री ने कहा, 'लड़की ने खुद ही मुझ पर इस बात के लिए जोर दिया है। उसकी खुशी इसी बात में हैं कि वह एक रात के लिए आप की दुल्हन बने और सुबह मृत्यु के मुख में चली जाए।' बादशाह का आश्चर्य इस बात से और बढ़ा। वह बोला, 'तुम इस धोखे में न रहना कि तुम्हारा खयाल कर के मैं अपनी प्रतिज्ञा छोड़ दूँगा। सवेरा होते ही मैं तुम्हारे ही हाथों तुम्हारी बेटी को सौंपूँगा कि उसका वध करवाओ। यह भी याद रखना कि यदि तुमने संतान प्रेम के कारण उसके वध में विलंब किया तो मैं उसके वध के साथ तेरे वध की भी आज्ञा दूँगा।' मंत्री ने निवेदन किया, 'मैं आपका चरण सेवक हूँ। यह सही है कि वह मेरी बेटी है और उसकी मृत्यु से मुझे बहुत ही दुख होगा। लेकिन मैं आपकी आज्ञा का पालन करूँगा।' बादशाह ने मंत्री की बात सुनकर कहा, 'यह बात है तो इस कार्य में विलंब क्यों किया जाए। तुम आज ही रात को अपनी बेटी को लाकर उसका विवाह मुझ से कर दो।'

मंत्री बादशाह से विदा लेकर अपने घर आया और शहरजाद को सारी बात बताई। शहरजाद यह सुनकर बहुत प्रसन्न हुई और अपने शोकाकुल पिता के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर के कहने लगी, 'आप मेरा विवाह कर के कोई पश्चात्ताप न करें। भगवान चाहेगा तो इस मंगल कार्य से आप जीवन पर्यंत हर्षित रहेंगे।'

फिर शहरजाद ने अपनी छोटी बहन दुनियाजाद को एकांत में ले जाकर उससे कहा, 'मैं तुमसे एक बात में सहायता चाहती हूँ। आशा है तुम इससे इनकार न करोगी। मुझे बादशाह से ब्याहने के लिए ले जाएँगे। तुम इस बात से शोक-विह्वल न होना बल्कि मैं जैसा कहूँ वैसा करना। मैं तुम्हें विवाह की रात पास में सुलाऊँगी और बादशाह से कहूँगी कि तुम्हें मेरे पास आने दे ताकि मैं मरने के पहले तुम्हें धैर्य बँधा सकूँ। मैं कहानी कहने लगूँगी। मुझे विश्वास है कि इस उपाय से मेरी जान बच जाएगी।' दुनियाजाद ने कहा, 'तुम जैसा कहती हो वैसा ही करूँगी।' शाम को मंत्री शहरजाद को लेकर राजमहल में गया। उसने धर्मानुसार पुत्री का विवाह बादशाह के साथ करवाया और पुत्री को महल में छोड़कर घर आ गया। एकांत में बादशाह ने शहरजाद से कहा, 'अपने मुँह का नकाब हटाओ।' नकाब उठने पर उसके अप्रतिम सौंदर्य से बादशाह स्तंभित-सा रह गया। लेकिन उसकी आँखों मे आँसू देख कर पूछने लगा कि तू रो क्यों रही है। शहरजाद बोली, 'मेरी एक छोटी बहन है जो मुझे बहुत प्यार करती है और मैं भी उसे बहुत प्यार करती हूँ। मैं चाहती हूँ कि आज वह भी यहाँ रहे ताकि सूर्योदय होने पर हम दोनों बहनें अंतिम बार गले मिल लें। यदि आप अनुमति दें तो वह भी पास के कमरे में सो रहे।' बादशाह ने कहा, 'क्या हर्ज है, उसे बुलवा लो और पास के कमरे में क्यों, इसी कमरे में दूसरी तरफ सुला लो।' चुनांचे दुनियाजाद को भी महल में बुला लिया गया। शहरयार शहरजाद के साथ ऊँचे शाही पलँग पर सोया और दुनियाजाद पास ही दूसरे छोटे पलँग पर लेट रही। जब एक घड़ी रात रह गई तो दुनियाजाद ने शहरजाद को जगाया और बोली, 'बहन, मैं तो तुम्हारे जीवन की चिंता से रात भर न सो सकी। मेरा चित्त बड़ा व्याकुल है। तुम्हें बहुत नींद न आ रही हो और कोई अच्छी-सी कहानी इस समय तुम्हें याद हो तो सुनाओ ताकि मेरा जी बहले।' शहरजाद ने बादशाह से कहा कि यदि आपकी अनुमति हो तो मैं जीवन के अंतिम क्षणों में अपनी प्रिय बहन की इच्छा पूरी कर लूँ। बादशाह ने अनुमति दे दी।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शेष.. विशेष...अशेष!

दुर्लभ मानुष जन्म है, देह न बारम्बार,
तरुवर ज्यों पत्ता झड़े, बहुरि न लागे डार।

संत कबीर का यह दोहा अपने अर्थ में सरल और भावार्थ में असीम विस्तार लिए हुए है। जैसे वृक्ष से झड़ा पत्ता दोबारा डाल पर नहीं लगता, वैसे ही मनुष्य देह बार-बार नहीं मिलती। मनुष्य देह बार-बार नहीं मिलती अर्थात दुर्लभ है। जिसे पाना कठिन हो, स्वाभाविक है कि उसका जतन किया जाए। देह नश्वर है, अत: जतन का तात्पर्य सदुपयोग से है। ऐसा भी नहीं कि मनुष्य इस सच को जानता नहीं पर जानते-बूझते भी अधिकांश का जीवन पल-पल रीत रहा है, निरर्थक-सा क्षण-क्षण बीत रहा है।

कोई हमारे निरर्थक समय का बोध करा दे या आत्मबोध उत्पन्न हो जाए तो प्राय: हम अतीत का पश्चाताप करने लगते हैं। जीवन में जो समय व्यतीत हो चुका, उसके लिए दुख मनाने लगते हैं। पत्थर की लकीर तो यह है कि जब हम अतीत का पश्चाताप कर रहे होते हैं, उसी समय तात्कालिक वर्तमान अतीत हो रहा होता है। अतीतजीवी भूतकाल से बाहर नहीं आ पाता, वर्तमान तक आ नहीं पाता, भविष्य में पहुँचने का तो प्रश्न ही नहीं उठता। अपनी एक कविता स्मरण हो आ रही है,

हमेशा वर्तमान में जिया,
इसलिए अतीत से लड़ पाया,
तुम जीते रहे अतीत में,
खोया वर्तमान,
हारा अतीत
और भविष्य तो
तुमसे नितांत अपरिचित है,
क्योंकि भविष्य के खाते में
केवल वर्तमान तक पहुँचे
लोगों की नाम दर्ज होते हैं..!

अपने आप से दुखी एक अतीतजीवी के मन में बार-बार आत्महत्या का विचार आने लगा था। अपनी समस्या लेकर वह महर्षि रमण के पास पहुँचा। आश्रम में आनेवाले अतिथियों के लिए पत्तल बनाने में महर्षि और उनके शिष्य व्यस्त थे। पत्तल बनाते-बनाते महर्षि रमण ने उस व्यक्ति की समस्या सुनी और चुपचाप पत्तल बनाते रहे। उत्तर की प्रतीक्षा करते-करते व्यक्ति खीझ गया। मनुष्य की विशेषता है जिन प्रश्नों का उत्तर स्वयं वर्षों नहीं खोज पाता, किसी अन्य से उनका उत्तर क्षण भर में पाने की अपेक्षा करता है।

वह चिढ़कर महर्षि से बोला, 'आप पत्तल बनाने में मग्न हैं। एक बार इन पर भोजन परोस दिया गया, उसके बाद तो इन्हें फेंक ही दिया जाएगा न। फिर क्यों इन्हें इतनी बारीकी से बना रहे हैं, क्यों इसके लिए इतना समय दे रहे हैं?'

महर्षि मुस्कराकर शांत भाव से बोले, 'यह सत्य है कि पत्तल उपयोग के बाद नष्ट हो जाएगी। मर्त्यलोक में नश्वरता अवश्यंभावी है तथापि मृत्यु से पहले जन्म का सदुपयोग करना ही जीवात्मा का लक्ष्य होना चाहिए। सदुपयोग क्षण-क्षण का। अतीत बीत चुका, भविष्य आया नहीं। वर्तमान को जीने से ही जीवन को जिया जा सकता है, जन्म को सार्थक किया जा सकता है, दुर्लभ मनुज जन्म को भवसागर पार करने का माध्यम बनाया जा सकता है। इसका एक ही तरीका है, हर पल जियो, हर पल वर्तमान जियो।' स्मरण रहे, व्यतीत हो गया, सो अतीत हो गया। अब जो शेष है, वही विशेष है। विशेष पर ध्यान दिया जाए, जीवन को सार्थक जिया जाए तो देह के जाने के बाद भी मनुष्य रहता अशेष है।

बोध कथा

लालच बुरी बला

बहुत पुरानी बात है एक गांव में शेखर नाम का एक व्यक्ति रहता था। वह बड़ा मेहनती था किंतु गांव में कोई रोजगार नहीं था, उसने सोचा कि मैं शहर चला जाता हूं वहां मुझे मेरी योग्यता अनुसार मेहनत के पैसे मिल जाएंगे। यह सोचकर शेखर एक दिन अपने गांव से शहर की ओर चल दिया। शहर बहुत दूर था चलते-चलते शेखर थक चुका था। शेखर इतना थक गया था कि अब उससे बिल्कुल भी चला नहीं जा रहा था और वह थककर वहीं बैठ गया। तभी शेखर ने देखा कि वहां से कुछ दूरी पर एक झोपड़ी है और झोपड़ी में एक घोड़ा बंधा हुआ है। शेखर ने सोचा क्यों ना इस घोड़े को किराये पर ले लूं और इसी से शहर चला जाता हूं। शेखर जैसे-तैसे झोपड़ी पर तक पहुंचा। शेखर ने देखा वहां एक व्यक्ति खड़ा हुआ है शेखर समझ गया कि यह अवश्य ही घोड़े का मालिक है। शेखर उस व्यक्ति से बोला- मुझे आगे शहर में जाना है और शहर यहां से कई किलोमीटर दूर है, मैं बुरी तरीके से थक चुका हूं तो क्या मैं आपका घोड़ा ले सकता हूं। इस पर घोड़े का मलिक झुंझलाते हुए बोला- तुम्हे क्या मैं घोड़ा ऐसे ही दे दूं। शेखर बोला- मैं आपसे घोड़ा फ्री में नहीं लूंगा इसके बदले मैं आपको घोड़े का किराया दूंगा।

घोड़े का मालिक बोला- मैं तुम्हें घोड़ा किराए पर तो दे सकता हूं किंतु मुझे अभी दूसरे गांव जाना है, अगर तुम मुझेउस गांव तक छोड़ दो तो मैं यह घोड़ा तुम्हे किराए पर दे सकता हूं। शेखर झट से तैयार हो गया, शेखर घोड़े पर आगे बैठ गया और घोड़े का मालिक पीछे। गर्मी के दिन थे बहुत तेज धूप थी दोनों चलते-चलते थक गए और पसीने से तरबतर हो गए। शेखर बोला- बहुत तेज गर्मी है और थकान भी बहुत हो रही है, कहीं थोड़ी देर आराम कर लिया जाए। दोनों ने इधर-उधर देखा किंतु कहीं भी कोई पेड़ नहीं दिखा, तभी शेखर घोड़ेघोड़े से उतरा और घोड़े के ही छांव में बैठ गया। शेखर थोड़ी देर ही घोड़े की छांव में आराम कर पाया था कि यह सब देखकर घोड़े का मालिक बुरी तरीके से जल गया। घोड़े का मालिक बोला- मैंने तुम्हें घोड़ा किराए पर दिया है उसकी छाया किराए पर नहीं दी, तुम हटो यहां से इस छाया पर मेरा अधिकार है और मैं यहां आराम करूंगा। यह सुनकर शेखर बोला - महानुभव ! आप यह कैसी बात कर रहे हैं, मैंने अगर घोड़ा किराए पर लिया है तो उसकी छाया पर भी मेरा ही अधिकार है। अगर आप चाहें तो आप भी इस छाया में मेरे साथ बैठकर आराम कर सकते हैं। लेकिन घोड़े का मालिक बड़ा जिद्दी था वह बोला- नहीं-नहीं इस छाया पर सिर्फ और सिर्फ मेरा अधिकार है और मैं ही इसकी छाँव में बैठूंगा, तुम हटो यहां से। इतनी छोटी सी बात पर दोनों में जोर-जोर से बहस होने लगी और बात तू-तू मैं-मैं से हाथापाई पर आ गई। दोनों एक दूसरे से झगड़ने लगे और एक दूसरे पर लात घुसे बरसाने लगे। सुनसान जंगल में उनके बीच बचाव करने वाला भी कोई नहीं था। दोनों की लड़ाई देखकर घोड़ा भड़क गया और वहां से भाग गया।

थोड़ी देर बाद जब घोड़े के मालिक ने घोड़े को देखा तो वह कहीं दिखलाई नहीं दिया, यह देखकर घोड़े का मालिक बोला- अरे मेरा घोड़ा कहां चला गया, वह तो अभी नया है। उसने ठीक से घर भी नहीं देखा, पता नहीं वह कहां गया और अब मैं उसे कैसे ढूंढूं। तभी शेखर बोला- अच्छा हुआ तुम जैसे लोगों के साथ ऐसा ही होना चाहिए, अभी तुम छाया के लिए परेशान हो रहे थे अब घोड़े की काया के लिए परेशान होना। घोड़े के मालिक को अपनी गलती का एहसास हुआ और अपना माथा पीठ कर हाय तौबा करते हुए बैठ गया और बोला- मेरे थोड़े से लालच से मेरा कितना बड़ा नुकसान हो गया मुझे अपनी करनी का फल मिल गया। घोड़े की छाया के लोभ के कारण घोड़े की काया से भी हाथ धो बैठा। शिक्षा- इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि लालच बुरी बला है और कभी-कभी छोटे से लोभ के कारण बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

वीर गाथा

नायक महाबीर थापा: एक भी सैनिक को पीछे नहीं छोड़ा, आखिरी सांस तक फर्ज निभाया

नायक महाबीर थापा का जन्म 3 दिसंबर, 1923 को नेपाल के दैलेख जिले के बारालेख गांव में हुआ था। बिरखे थापा के बहादुर बेटे महाबीर 3 दिसंबर, 1942 को भारतीय सेना की 3/1 गोरखा राइफल्स में भर्ती हुए थे। उन्होंने कई सैन्य अभियानों में भाग लिया और तिरंगे की शान बढ़ाई थी।

साठ के दशक में कांगो में भयंकर हिंसा छिड़ गई थी। कई सशस्त्र विद्रोही समूह खड़े हो गए थे, जिनसे आम जनता त्रस्त थी। ऐसे में कांगो सरकार ने शांति स्थापना के लिए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की थी।

इसके बाद कई देशों से शांति सैनिक कांगो भेजे गए थे। महाबीर भी उनमें से एक थे। 16 सितंबर, 1961 को नायक महाबीर थापा राहत बल की पिछली टुकड़ी की कमान संभाल रहे थे, जो लुफिरा ब्रिज से हट रही थी। उनकी टुकड़ी को दुश्मन को करीब आने से रोकने का काम सौंपा गया था। उस कार्रवाई के दौरान महाबीर थापा रोड ब्लॉक तक पहुंचने से पहले ही घायल हो गए थे। हालांकि उन्होंने अपनी टुकड़ी को तैनात कर दिया और दुश्मन की ओर बढ़ते हुए गोलीबारी की।

अचानक दुश्मन ने मशीन गन से गोलियां दागीं, जो महाबीर को लगीं। वे समझ चुके थे कि अब ज़िंदगी की डोर टूटने वाली है, लेकिन उन्होंने अपनी टुकड़ी का हौसला बढ़ाया, सैनिकों का नेतृत्व जारी रखा और दुश्मन से डटकर मुकाबला किया।

जब सभी सैनिक विद्रोहियों के प्रभाव वाले इलाके को सुरक्षित ढंग से पार कर आगे चले गए, उसके बाद ही महाबीर थापा ने अपनी टुकड़ी को वहां से हटने के लिए कहा। एक-एक कर सभी सैनिक वहां से चले गए। महाबीर थापा ने सबसे आखिर में वह इलाका छोड़ा। इसके कुछ समय बाद वे वीरगति को प्राप्त हो गए। नायक महाबीर थापा ने आखिरी सांस तक अपना फर्ज निभाया और वीरता का ऐसा महान आदर्श स्थापित कर दिया, जिससे लोग हमेशा प्रेरणा लेते रहेंगे। उन्हें 'महावीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एलन मस्क इस वर्ष के अंत में भारत आने के लिए उत्सुक

वाशिंगटन/न्यूयॉर्क/भाषा। टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि वह इस वर्ष के अंत में भारत आने को लेकर उत्सुक हैं।

मस्क की यह टिप्पणी उनके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बातचीत के एक दिन बाद आई है। उन्होंने प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की थी।

मस्क ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी से बात करना सम्मान की बात रही। मैं इस वर्ष के अंत में भारत आने के लिए उत्सुक हूं!''

मस्क को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माना जाता है और वह सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व कर रहे हैं जिसका उद्देश्य सरकारी व्यय में कटौती करना और संघीय कार्यबल को कम करना है।

शुक्रवार को बातचीत के बाद मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''एलन मस्क से बातचीत की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन में हमारी बैठक के दौरान शामिल विषय भी सम्मलित थे। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, '' भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।''

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी फिल्म 'वीरा धीरा सूरन : पार्ट-2'

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार चियां विक्रम की थ्रिलर फिल्म वीरा धीरा सूरन: पार्ट 2 प्राइम वीडियो पर 24 अप्रैल से स्ट्रीम होगी। एस.यू. अरुण कुमार द्वारा लिखित और निर्देशित वीरा धीरा सूरन: पार्ट 2 में चियां विक्रमलीड रोल में नजर आएंगे। उनके साथ इस थ्रिलर फिल्म में एस.जे. सूर्या, सुराज वेंजारामूडु, दुशारा विजयन और पृथ्वी राज अहम किरदार निभा रहे हैं। भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो के प्राइम मेंबर्स वीरा धीरा सूरन: पार्ट 2 को 24 अप्रैल से तमिल के साथ-साथ तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में देख सकेंगे। प्राइम वीडियो ने वीरा धीरा सूरन: पार्ट 2 के एक्सक्लूसिव ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की है। चियां विक्रम की अब तक की सबसे दमदार परफॉर्मेंस में से एक मानी जा रही है। एस.यू. अरुण कुमार द्वारा लिखी और निर्देशित यह फिल्म एक ग्रिटी सर्वाइवल थ्रिलर है, जिसमें जबरदस्त एक्टिंग, धुआंधार एक्शन और जी.वी. प्रकाश कुमार का शानदार म्यूजिक देखने-सुनने को मिलेगा।

क्रिटिक्स की तारीफें बटोर चुकी वीरा धीरा सूरन: पार्ट 2 अब 24 अप्रैल से प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिवली स्ट्रीम होगी। यह फिल्म तमिल में होगी, जबकि तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में इसका डब वर्ज़न भी उपलब्ध रहेगा। मदुरै के एक भव्य मंदिर उत्सव की पृष्ठभूमि पर बनी वीरा धीरा सूरन: पार्ट 2 की कहानी है काली की, जो एक किराना दुकान चलाने वाला, अपनी फैमिली से बेहद प्यार करने वाला पति और पिता है। उसकी ज़िंदगी अब सुकून में लगती है, लेकिन सब कुछ तब बदल जाता है जब उसका पुराना अतीत फिर सामने आ जाता है, उसके पुराने क्राइम बॉस पेरियावर रवि के रूप में।

काली एक बार फिर उस अंधेरी दुनिया की तरफ खींचा चला जाता है, जिससे वो खुद को कभी आज़ाद मान चुका था। सिर्फ एक खतरनाक रात की घटनाओं पर बनी ये थ्रिलर वीरा धीरा सूरन: पार्ट 2 उस वक्त खून से सनी मोड़ लेती है जब काली को एसपी अरुणागिरी को मारने का टास्क दिया जाता है। एक तरफ वो अपने परिवार को बचाने की कोशिश कर रहा होता है, तो दूसरी तरफ उसका हिंसक अतीत फिर से उसका पीछा करने लगता है। इस बीच काली खुद को एक ऐसे जानलेवा खेल में फंसा पाता है, जहां हर तरफ से खतरे मंडरा रहे होते हैं और बचने का कोई आसान रास्ता नहीं होता।

चीन में आयोजित की गई दुनिया की पहली रोबोट 'हाफ मैराथन'

बीजिंग/भाषा। चीन ने शनिवार को दुनिया की पहली ऐसी मैराथन आयोजित की जिसमें मानव धावकों के साथ मानव रोबोट भी शामिल हुए।

यह दौड़ रोबोटिक्स में अमेरिका के साथ बीजिंग की बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों में प्रगति को प्रदर्शित करती है।

शीर्ष विश्वविद्यालयों और कंपनियों के अपने तकनीकी संचालकों के साथ इक्कीस मानवरूपी रोबोटों ने बीजिंग के आर्थिक-तकनीकी विकास क्षेत्र में 21 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया।

मनुष्यों के साथ दौड़ते हुए विभिन्न आकार और आकृति वाले रोबोट कौतुहल पैदा कर रहे थे और उन्हें देखन के लिए फुटपाथ पर भारी संख्या में लोग जमा थे।

मैराथन में हिस्सा ले रहे रोबोट को एक मीटर से अधिक अंतराल पर क्रमिक रूप से प्रक्षेपित किया गया, तथा उन्हें समर्पित ट्रैक तक सीमित रखे गए, जहां बैटरी स्वैप फॉर्मूला-1 के पिट स्टॉप्स की तरह था।

अंत में, न केवल गति के लिए बल्कि सर्वश्रेष्ठ सहनशक्ति, सर्वश्रेष्ठ चाल डिजाइन और सर्वाधिक नवीन फॉर्म जैसी श्रेणियों के लिए भी पुरस्कार वितरित किए गए - जिसमें एथलेटिक प्रदर्शन और इंजीनियरिंग क्षमता दोनों का सम्मान किया गया।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इसे विश्व की पहली ऐसी दौड़ बताया है।

फिल्म 'द ताज स्टोरी' को अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार लंदन के हाउस आफ कॉमन में मिला

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' ने हाल ही में लंदन के हाउस ऑफ कॉमन में आयोजित ग्लोबल बिज़नेस अवार्ड 2025 ,अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार जीता। 'द ताज स्टोरी' को ब्रिटिश दर्शकों और लंदन निवासियों के साथ-साथ वहां के फौजियों द्वारा भी बेहद पसंद किया गया। फिल्म की मुख्य भूमिका में परेश रावल की शानदार अभिनय ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, लेखक और निर्देशक तुषार अमरीश गोयल के काम की भी खूब सराहना की गई। इस शानदार फिल्म का निर्माण सुरेश झा ने किया है और फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेशाम हैं। फिल्म के डी.ओ.पी सत्यजीत हज़ारनिस और एडिटर हिमांशु एम तिवारी है।

फिल्म में एक से बढ़कर एक प्रतिभाशाली कलाकारों ने काम किया है, जिनमें अमृता खानविलकर, ज़ाकिर हुसैन, नमित दास, बृजेंद्र काला, स्नेहा वाघ, शिशिर शर्मा, श्रीकांत वर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, अनिल जॉर्ज, अभिजीत लेहरी, सिद्धार्थ भारद्वाज, लतिका, पंकज बेरी, आसित चटर्जी, फ्लोरा जॉक्स, वीणा झा और बाल कलाकार स्वर्णिम और सर्वज्ञ शामिल हैं। इन सभी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों में जान डाल दी और फिल्म को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

'द ताज स्टोरी' की अंतराष्ट्रीय सफलता ने भारतीय सिनेमा को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है और यह दर्शाता है कि भारतीय कहानियों की वैश्विक पहचान हो रही है। यह फिल्म न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि ताज महल के सच्चे इतिहास की जानकारी देने के साथ साथ एक संदेश भी देती है जो लोगों के दिलों को छू गई है। इस फिल्म की अंतराष्ट्रीय सफलता पर निर्माता, लेखक एवं निर्देशक और कलाकार बधाई के पात्र हैं। इस उपलब्धि ने भारतीय सिनेमा को भी गर्वित किया है और आगे की संभावनाओं के लिए एक नई राह खोली है। हिंदुस्तान सहित विश्वभर के सिनेमा घरों में जल्द ही द ताज स्टोरी दस्तक देगी।

मुलाकात

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पश्चिम बंगाल के मालदा में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन से जुड़ी मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई हिंसा के दौरान जान गंवाने वाले पिता-पुत्र के परिवार से मुलाकात की।

डार की अफगानिस्तान यात्रा के बीच पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों पर कसा शिंकजा

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इस्हाक डार की शनिवार से शुरु हुई अफगानिस्तान यात्रा के बीच अफगान शरणार्थियों पर शिकंजा और कड़ा करने की घोषणा की है। डार अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के निमंत्रण पर काबुल गए हैं, जहां वह मुत्तकी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, डार कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुल्ला हसन अखुंद और आर्थिक मामलों के कार्यवाहक उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर से भी मुलाकात करेंगे।

डार के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी गया है और वार्ता के दौरान पाक-अफगान संबंधों के सभी आयामों पर चर्चा की जाएगी तथा सुरक्षा, व्यापार, संपर्क व लोगों के बीच संबंधों समेत आपसी हितों के सभी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अवैध अफगान शरणार्थियों के खिलाफ अभियान तेज हो गया है। पाकिस्तान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अफगानों के लिए देश में रहने का एकमात्र रास्ता वीजा के साथ कानूनी रूप से प्रवेश करना है।

निरीक्षण

दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा शनिवार को नई दिल्ली के दयालपुर इलाके के मुस्तफाबाद की गली नंबर 1 में चार मंजिला इमारत के ढहने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए ।

फिल्म 'ज्वेल थीफ' का नया गाना 'इल्जाम' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म ज्वेल थीफ का नया गाना 'इल्ज़ाम' रिलीज़ हो गया है। 'ज्वेल थीफ' का दूसरा गाना 'इल्ज़ाम' एक शानदार विज़ुअल और म्यूज़िकल एक्सपीरियंस है। इस गाने की जान है सैफ अली खान और निकिता दत्ता की सिज़लिंग केमिस्ट्री। दोनों की ऑन-स्क्रीन मौजूदगी जादू की तरह असर करती है। इस गाने को रॉबी ग्रेवाल और कूकी गुलाटी ने निर्देशित किया है। इस गाने का संगीत साउंडट्रेक और अनीस अली सबरी ने दिया है और इसे विशाल मिश्रा और शिल्पा राव ने गया है। गीतकार कुमार के बोल इस गाने को एक अलग ही संवेदनशीलता और गहराई देते हैं। गौरतलब है कि फिल्म ज्वेल थीफ का निर्माण सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद ने किया है, जबकि निर्देशक रॉबी ग्रेवाल एवं कूकी गुलाटी हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत और कुणाल कपूरअहम किरदारों में नजर आयेंगे। फिल्म 'ज्वेल थीफ' 500 करोड़ हीरे की चोरी की कहानी है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल को रिलीज होगी।

फिल्म 'ममता की छांव में' का ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार अरविंद अकेला कल्लू की बहुप्रतीक्षित फिल्म ममता की छांव में का ट्रेलर आज सुर म्यूजिक वर्ल्ड प्रा. लिमिटेड के बैनर तले रिलीज किया गया। यह फिल्म एक ऐसे बेटे की कहानी बयां करती है, जो अपनी मां से बेहद प्रेम करता है और उनके साये से कभी दूर नहीं होना चाहता। मां के प्रति बेटे की अगाध श्रद्धा और स्नेह, उसकी शादी तक की राह में दीवार बन जाती है। ट्रेलर के भावनात्मक दृश्यों और दमदार संवादों ने दर्शकों को झकझोर कर रख दिया है। कल्लू के अभिनय में संवेदनशीलता और परिपक्वता की झलक साफ देखी जा सकती है। फिल्म में कल्लू के साथ दो प्रमुख अदाकारा आस्था सिंह और पूजा गांगुली प्रेम त्रिकोण को दर्शाती हैं। फिल्म के निर्माता सुरिंदर यादव ने बताया कि ममता की छांव में सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि हर मां-बेटे के उस रिश्ते को परदे पर उतारने की कोशिश है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल होता है।उन्होंने बताया कि यह फिल्म पारिवारिक, भावनात्मक और सामाजिक संदेश देने वाली है। वहीं, अरविंद अकेला कल्लू ने कहा कि यह फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है। मैंने इस किरदार को जीया है। मां के बिना जीवन अधूरा है, और इस फिल्म के ज़रिए मैं हर मां को एक श्रद्धांजलि देना चाहता हूँ। फिल्म की कहानी मनोज के.कुशवाहा ने लिखी है, जबकि अरविंद अकेला कल्लू, आस्था सिंह, पूजा गांगुली के साथ नीलम गिरी, महेंद्र यादव, संजय वर्मा, अनूप, विनोद मिश्रा, राजपूत स्वीटी, सीपी भट्ट, सोनू पांडे, सोनू यादव भी मुख्य भूमिका में हैं। डीओपी शाहिल जे अंसारी, संगीत आर्या शर्मा, गौरव रोशन और गीतकार कृष्णा बेदर्दी, आशुतोष तिवारी, श्याम जी श्याम, श्याम जी यादव हैं। एक्शन दिलीप यादव, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और कला रविन्द्र नाथ गुप्ता का है।

ओम पुरी मेरे जीवन का अभिशाप नहीं, वरदान थे : सीमा कपूर

नई दिल्ली/भाषा। फ़िल्म निर्माता-लेखक सीमा कपूर का अपने दिवंगत पति और प्रतिष्ठित अभिनेता ओम पुरी के बारे में कहना है कि वह उन्हें अपने जीवन के लिए अभिशाप नहीं, बल्कि वरदान मानती हैं। सीमा कपूर ने अपनी आत्मकथा 'यूं गुजरी है अब तलक' में इसी संदर्भ में लिखा है, कई बार आपको जब कोई धक्का लगता है तभी आपको अपनी ताकत और मजबूती का एहसास होता है। मेरे जीवन में अगर वो पीड़ाएँ नहीं होतीं तो शायद मैं वहाँ नहीं होती, जहाँ आज हूँ। ओम पुरी से अल्पकालिक विवाह, फिर उनका दूसरी शादी करना और 14 वर्षों बाद फिर से उसी सीमा के पास लौट आना-सीमा कपूर ने किताब में यह सब साझा किया है। क्या आत्मकथा लिखने के दौरान कुछ ऐसे कड़वे सच भी सामने आए, जिन्हें लिखते हुए उन्हें स्वयं डर लगा हो, इस सवाल के जवाब में सीमा कपूर ने पीटीआई भाषा से कहा, हां, ऐसा कई बार हुआ। लेकिन मैंने उन सभी कड़वे सच को भी पूरी ईमानदारी के साथ लिखा है। एक सवाल के जवाब में सीमा कपूर ने कहा, लौट कर आने के बाद कोई दिन ऐसा नहीं गया, जब ओम पुरी ने माफी न मांगी हो। वो हर रोज सॉरी कहते थे।

आत्मकथा पढ़ते हुए ऐसे लगता है कि जैसे यह किसी एक स्त्री की नहीं, बल्कि अनेक स्त्रियों की आत्मकथा है और ऐसी आत्मकथा लिखने में बहुत साहस की जरूरत होती है। अपनी आत्मकथा 'यूं गुजरी है अब तलक' पर एक चर्चा में भाग लेते हुए सीमा कपूर ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि उन्होंने अपने जीवन के सबसे निजी और संवेदनशील अनुभवों को बड़ी संजीदगी, धैर्य और साफ़गोई के साथ किताब में साझा किया है। राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित आत्मकथा पर इंडियन वुमन प्रेस कोर में आयोजित चर्चा के दौरान सीमा कपूर ने अपने बचपन से लेकर अब तक के जीवन से जुड़े कई किस्से सुनाए। दिवंगत अभिनेता ओम पुरी के साथ अपने

वैवाहिक जीवन से जुड़ी निजी स्मृतियों से लेकर एक स्त्री के आत्म-निर्माण तक की यह यात्रा केवल आत्मकथ्य नहीं, बल्कि मानव संबंधों की जटिलता और स्त्री-स्वत्व की सशक्त अभिव्यक्ति है।

इस किताब में सीमा कपूर ने पारसी थियेटर में बीते अपने बचपन की यादों से लेकर सिनेमा के क्षेत्र में अपने करियर और सिनेमा से जुड़े अन्य लोगों के साथ अपने संबंधों के बारे में खुलकर लिखा है। चर्चा के दौरान सीमा कपूर ने कहा कि वह पुरी साहब को अपने जीवन के लिए अभिशाप नहीं, बल्कि वरदान ही मानती हैं। उन्होंने कहा, ... क्योंकि कई बार आपको जब कोई धक्का लगता है, तभी आपको अपनी ताक़त और मज़बूती का एहसास होता है। मेरे जीवन में अगर वो पीड़ाएँ नहीं होतीं तो शायद मैं वहाँ नहीं होती, जहाँ आज हूँ। मेरा मानना है कि जीवन में आने वाला हर दुख आपको अपने भीतर से निखरने का एक अवसर देता है। उनका कहना था, मैं आभारी हूँ कि मैंने उस दुख को न कि सिर्फ़ झेला बल्कि उसे जज़्ब भी किया। उस हादसे ने मुझे आहत किया लेकिन उससे मैं एक बेहतर और अधिक संवेदनशील इनसान बनकर निकली। 'यूँ गुज़री है अब तलक' केवल एक सिने हस्ती की कहानी नहीं है। यह उस स्त्री का आत्मबोध है, जो रिश्तों की टूटन के बाद भी खुद को बिखरने नहीं देती, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारते हुए और भी मजबूत होकर निकलती है।

'मेरे हस्बैंड की बीवी' जियोहॉटस्टार पर हुई स्ट्रीम

मुंबई/एजेन्सी

कॉमेडी फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी आज से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। मेरे हस्बैंड की बीवी एक मजेदार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें एक आदमी की जिंदगी में उलझन, हंसी और ड्रामा सब कुछ है। कहानी में गलत जगह रखी अंगूठियां, भूलने की बीमारी और ढेर सारी गलतफहमियां इस फिल्म को हंसी का रोलर कोस्टर बनाती हैं। वाशु भगनानी और पूजा फिल्म्स ने इसे बनाया है, और मुदस्सर अजीज़ इसके निर्देशक हैं। इस फिल्म में अर्जुन कपूर, भूमि पेडणेकर, रकुल प्रीत सिंह, हर्ष गुजराल, डिनो मोरिया और आदित्य सियाल जैसे कलाकार हैं। हंसाएगी और भरपूर मनोरंजन करेगी। इस फिल्म में अंकुर (अर्जुन) की कहानी दिखाई

गई है, जो आखिरकार पुरानी जिन्दगी से आजाद होकर अपनी कॉलेज क्रश अंतरा (रकुल प्रीत सिंह) को प्रपोज करना चाहता है। लेकिन उसकी एक्स-वाइस प्रभलीन (भूमि पेडणेकर) उसकी जिन्दगी में लौट आती है और उसे एम्नेसिया है। वह अंकुर के साथ अपने रिश्ते को दोबारा शुरू करने की कोशिश कर रही है। मेरे हस्बैंड की बीवी के निर्देशक मुदस्सर अजीज़ ने बताया, इस फिल्म में दिल टूटने, हंसी और समझदारी को बहुत ही अनोखे तरीके से दिखाया गया है। हमने एक जटिल भावनात्मक स्थिति को लिया और उसमें ढेर सारी उलझनें डाल दीं। इस फिल्म को बनाना बहुत मजेदार था। हम जियोहॉटस्टार के साथ इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। अंकुर की भूमिका निभा रहे अर्जुन कपूर ने कहा, अंकुर का किरदार दर्शकों को 'की एंड का' और '2 स्टेटस' से पसंद है। इस फिल्म में वह अपने अतीत और वर्तमान के बीच मजेदार तरीके से उलझ जाता है। कॉमेडी में इतनी पागलपन के साथ भावनात्मक गहराई कम ही देखने को मिलती है। यह एक शानदार लव ट्रायंगल है। रकुल, भूमि, हर्ष और मुझे इसकी शूटिंग में बहुत मजा आया। अब यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है, और मैं उन लोगों का रिस्पॉन्स देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, जिन्होंने इसे सिनेमाघरों में नहीं देखा। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, अंतरा एक संवेदनशील और संतुलित लड़की है, जो इस पागलपन के बीच फंस जाती है। मजा तब आता है, जब वह बिगड़े हालात को संभालने की कोशिश करती है। 'मेरे हस्बैंड की बीवी' कॉमेडी और ड्रामा का शानदार मिश्रण है। यह परेशान करने वाले, अजीब, लेकिन मजेदार पलों से भरा सफर है।

इसकी शूटिंग में मुझे बहुत मजा आया और सभी कलाकारों व क्रू के साथ काम करना मेरी सबसे अच्छी यादों में रहेगा। भूमि पेडणेकर ने कहा, प्रभलीन बहुत मूडी है! उसे समझना मुश्किल है और वह इतनी मजेदार है कि एक एक्टर के लिए यह किरदार बिल्कुल नया अनुभव था। यह रोल मस्ती से भरा था और मुदस्सर सर ने शानदार तरीके से मुझे गाइड किया। अर्जुन, रकुल और बाकी टीम के साथ काम करने में बहुत मजा आया। मैं उत्साहित हूं कि अब जियो हॉटस्टार पर ज्यादा लोग इसे देख पाएंगे।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

पूजा जैन को मिला 'एक्सिलेन्स एन कॉफी जर्नलिज्म स्टोरीटेलिंग अवार्ड'

मदुरै निवासी पूजा बेंगलूरु में कर रही है कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। नेपाल में हुए नेपाल कॉफी फेस्टिवल 2025 में देश-विदेश के कॉफी प्रेमी, किसान, एक्सपर्ट्स और रोस्टर शामिल हुए। इस उत्सव में मदुरै की करली ब्रू की संस्थापिका पूजा जैन को 'एक्सिलेन्स एन कॉफी जर्नलिज्म स्टोरीटेलिंग अवार्ड' से सम्मानित किया गया। पूजा यह सम्मान पाने वाली पहली भारतीय बनीं। पूजा मदुरै की निवासी है, वर्तमान में बेंगलूरु में रहकर कॉफी इंडस्ट्री माय कार्य कर रही हैं। उन्होंने कॉफी को नई पहचान व किसानों, रोस्टर्स और बारिस्टा को एक नई आवाज़ देने का काम किया।

पूजा के पिता विनोद घीया ने अपनी पुत्री की उपलब्धि पर खुश होकर उन्हें शुभकामनाएं दी। पूजा को यह सम्मान नेपाल सरकार के नेशनल टी एंड कॉफी डेवलपमेंट बोर्ड के कार्यकारी निदेशक फाइन्द्रराज पाण्डे, एनसीपीए के अध्यक्ष ओम अधिकारी, और संतोष पोखरेल ने मिलकर प्रदान किया।

तेरापंथ महिला मंडल आयोजित की 'एक बूंद-एक सागर' विषयक कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। शहर के एकेएस नगर स्थित तेरापंथ भवन में शुक्रवार को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल ने जल संरक्षण 'एक बूंद-एक सागर' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया। मंडल की अध्यक्ष मंजू सेठिया ने सभी का स्वागत किया। मंडल की रुपकला भंडारी, गुण बोहरा, निर्मला कांकरिया, सुरेखा सेमलानी व कुसुम बुच्चा से विषय प्रस्तुति देते हुए कहा कि शरीर अन्न के बिना तो कुछ दिन रह सकता है पर पानी के बिना जीना असंभव है। जलसंरक्षण में महिलाओं की ज्यादा भूमिका रहती है क्योंकि महिलाएं ही रसोई में उपयोग होने वाले पानी का सही उपयोग कर जल संरक्षण कर सकती है। जैन धर्म के अनुसार पानी का संयम के साथ उपयोग करने से अपकाय के असंख्य जीवों की हिंसा से भी बच सकते हैं और साथ में जल संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। जब तक धरती पर जल है तब तक सुरक्षित है सबका कल। कार्यशाला में उपस्थित सभी महिला सदस्यों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। मंजू सेठिया ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन अपराजिता नाहटा ने किया।

सुन्दरकांड पाठ : — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

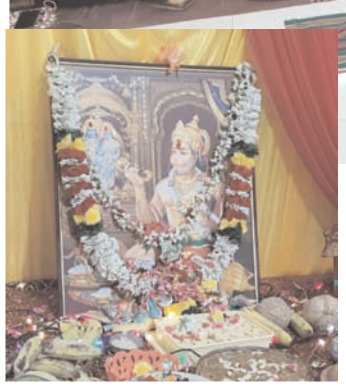

तिरुपुर के बालाजी के दीवाने मंडल की ओर से शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 20वां सुन्दरकाण्ड का पाठ गणेश मंदिर रामपुर में हुआ। मंडल की अध्यक्ष शीलाशाह ने बताया कि शनिवार को दोपहर में गणेश वंदना और बाबा की ज्योत के साथ संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ की शुरुआत हुई। बीच बीच में भजनों की प्रस्तुति दी गई। शाम को महाआरती के बाद भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया।

देवी उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विद्या विनायक युवक संघ, कुरुबरहल्ली ने नगर देवी अण्णमादेवी और श्री बंदे महाकाली देवी का उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत ने देवी-देवताओं की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

दक्षिण रेलवे ने चेन्नई उपनगरीय नेटवर्क में एसी ईएमयू सेवा शुरू की

चेन्नई बीच-चेंगलपट्टू खंड पर शुरू हुई एसी ईएमयू की पहली सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने शनिवार को वातानुकूलित ईएमयू (एसी ईएमयू) सेवाएं शुरू की हैं , जो चेन्नई उपनगरीय रेल यात्रा में एक नया मील का पत्थर साबित होगी । चेन्नई बीच-चेंगलपट्टू (4 सेवाएं) और चेन्नई बीच-तांबरम (2 सेवाएं) के मध्य रविवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन कुल छह सेवाएं (प्रत्येक दिशा में तीन) संचालित की जाएंगी , जिससे यात्रियों के लिए बेहतर आराम और सुखद यात्रा का अनुभव सुनिश्चित होगा। उपनगरीय यात्रियों के लिए किराया प्रतिस्पर्धी है, 10 किमी तक की दूरी के लिए न्यूनतम 35 रुपए और 56-60 किमी की दूरी के लिए अधिकतम 105 रुपए है। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री द्वारा निर्मित अत्याधुनिक 12-कार एसी ईएमयू कई आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं जो लगभग 5000 यात्रियों की उच्च वहन क्षमता के साथ मेट्रो जैसी सुविधा प्रदान करते हैं। प्रमुख विशेषताओं में पूरी तरह से वातानुकूलित कोच, स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे, निर्बाध आवागमन के लिए सीलबंद गैंगवे, स्टेनलेस स्टील सीटिंग, पैनोरमिक चौड़ी कांच की खिड़कियां, सुंदर प्रकाश व्यवस्था, जीपीएस-आधारित एलईडी डिस्प्ले, सीसीटीवी निगरानी और आपात स्थिति के लिए यात्री टॉक-बैक सिस्टम शामिल हैं। ट्रेन में ऊर्जा-कुशल पुनर्योजी इलेक्ट्रो न्यूमेटिक ब्रेक भी हैं जो 35% तक विद्युत ऊर्जा बचा सकते हैं और बेहतर सवारी आराम के लिए एयर स्प्रिंग सस्पेंशन है।

ये एसी ईएमयू सेवाएं दैनिक यात्रियों, विशेष रूप से कार्यालय जाने वालों, महिला यात्रियों और छात्रों को बहुत लाभ पहुँचाएँगी, जिससे उन्हें यात्रा का एक आरामदायक, सुरक्षित और कुशल तरीका मिलेगा। यह लॉन्च मुंबई उपनगरीय प्रणाली में एसी ईएमयू की सफल तैनाती को दर्शाता है और अपने उपनगरीय यात्रियों को विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए दक्षिण रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केवल वैध एसी ईएमयू टिकट या एसी ईएमयू सीजन टिकट वाले यात्रियों को ही इन ट्रेनों में चढ़ने और यात्रा करने की अनुमति है। साधारण द्वितीय श्रेणी या प्रथम श्रेणी सीजन टिकट रखने वाले यात्रियों को एसी ईएमयू सेवाओं में यात्रा करने की अनुमति नहीं है, क्योंकि ये सेवाएं एक अलग किराया संरचना के तहत संचालित होती हैं ।

मदुरै से भगत की कोठी के लिए सुपर फास्ट स्पेशल शुरू

मदुरै। दक्षिण रेलवे ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाई है। ट्रेन नंबर 06067/06068 मदुरै-भगत की कोठी - मदुरै सुपर फास्ट स्पेशल शुरू की गई है। यह ट्रेन नंबर 06067 मदुरै-भगत की कोठी सुपरफास्ट स्पेशल 21 अप्रैल को मदुरै से 10.45 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 12.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 06068 भगत की कोठी -मदुरै सुपर फास्ट स्पेशल 24 अप्रैल को भगत की कोठी से 05.30 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 08.30 बजे मदुरै पहुंचेगी। इस ट्रेन में 12 - एसी थ्री टियर कोच, 6 एसी थ्री टियर इकॉनमी कोच और 2 - लगेज सह ब्रेक वैन शामिल है।

ब्रह्मचर्य-समाधि की साधना कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के स्वाध्याय भवन में ब्रह्मचर्य-समाधि की साधना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रसंग पर अम्बालाल कर्णावत, नरेंद्र कांकरिया. पदमचंद दीपक, योगी श्रीश्रीमाल, बाबूधनपतराज सुराणा, कांतिलाल महावीरचंद तातेड़, महावीरचंद छाजेड़, नवरत्नमल, छबराज गांग, लीलमचंद बागमार, महावीरचंद कर्णावत आदि की उपस्थिति रही। श्रावक संघ तमिल के वर्तमान कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कांकरिया ने बताया कि रत्न स्वर्ण महोत्सव वर्ष के अंतर्गत विभिन्न आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यक्रम सामूहिक सामायिक, आगम-शास्त्र वाचन स्वाध्याय-अनुप्रेक्षा, स्वाध्यायी प्रशिक्षण, स्वाध्यायी शिविर धार्मिक संघ, परीक्षा पूर्वाभ्यास शिविर आदि विभिन्न अभ्यास स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में गतिमान हैं।

इंडस लाइफ साइंसेज द्वारा 'स्किन ग्लो कोलेजन' का किया गया अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एक पंचसितारा होटल में इंडस लाइफ साइंसेज कंपनी द्वारा कोबीइंग स्किन ग्लो कोलेजन का अनावरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध अभिनेत्री पार्वती नायर ने की। कार्यक्रम में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर रुबीना अफरोज, डाइट विशेषज्ञ डॉ निकिता सुरेश, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ रूपा सहित अनेक स्वास्थ पेशेवर, सौंदर्य एवं जीवनशैली विशेषज्ञ उपस्थित रहे। नए उत्पाद के अनावरण के अवसर पर इंडस लाइफ साइंसेज के प्रबंध निदेशक मणि ने कहा कि यह कोलेजन बहुत ही प्रभावी है। कार्यक्रम में स्किन ग्लो कोलेजन उत्पादों का प्रदर्शन किया गया जो नई पीढ़ी के लिए आंतरिक सौंदर्य का पूरक है। कम्पनी का यह नया उत्पाद चिकित्सकीय रूप से सिद्ध जापानी पद्धति पर आधारित है।

तकनीक संचालित सुरक्षित लॉकर्स 'औरम' दे रहे हैं सुरक्षा के साथ बीमा भी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पारंपरिक बैंक लॉकर जिन्हें लंबे समय से सुरक्षित भंडारण के लिए मानक माना जाता है, सीमित उपलब्धता, असुविधाजनक पहुंच और विभिन्न औपचारिक बाधाओं से ग्रस्त होने के कारण अब गेटेड अपार्टमेन्टों के भीतर स्मार्ट, स्वचालित और आसानी से सुलभ सुरक्षित जमा लॉकर ''औरम' लॉकर की मांग बढ़ रही है। धन सम्पत्ति सुरक्षा में यह क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह औरम लॉकर एक आधुनिक, कुशल विकल्प है जो कि पूरी तरह से स्वचालित तकनीक संचालित हैं जिसमें किसी मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है। केवल एक बटन दबाने पर, सिस्टम -एटीएम की तरह विशिष्ट लॉकर को खोल देता है। औरम लॉकर कीमती सामान को पारंपरिक बैंक लॉकर की तुलना में बहुत आसान से सुरक्षित रखता है। इस लॉकर के संचालन के लिए बैंकिंग घंटों से प्रतिबंधित भी नहीं हैं और बैंकों की तरह इसमें कोई सावधि जमा की आवश्यकता या कागजी कार्रवाई नहीं है। साथ ही हर लॉकर 25 लाख के बीमा सुरक्षा के साथ आता है। औरम द्वारा अब तक 2,000 लॉकर स्थापित किए जा चुके हैं। विश्वास और जागरूकता को बढ़ाने के लिए कंपनी ने अनेक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ मिलकर लाइव प्रदर्शन आयोजित किए हैं।

गूगल को ऑनलाइन विज्ञापन एकाधिकार मामले में हार का सामना करना पड़ा

सिडनी, 19 अप्रैल (द कन्वरसेशन) प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल को अमेरिका में एक और कानूनी झटका लगा है, उसे एक ऐतिहासिक प्रतिस्पर्धा-विरोधी मुकदमे में हार का सामना पड़ा है। यह घटना पिछले वर्ष कंपनी को इसी प्रकार के एक मामले में हुई हानि के बाद हुई है। सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा भी वर्तमान में अमेरिका में एक ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई में उलझा हुई है, जो न केवल इसके संचालन के तरीके को बदल सकती है बल्कि दुनिया भर में लाखों लोग किस प्रकार संवाद करते हैं यह भी तय करने की ताकत रखती है। मेटा मामले की सुनवाई इस सप्ताह के प्रारंभ में वाशिंगटन डीसी की एक अदालत में शुरू हुई, जब मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर में मामला निपटाने में असफल रहे।

खानपान, नींद और नियमित व्यायाम पर ध्यान देकर अपने स्वास्थ्य में बहुत बड़ा बदलाव देखा है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने समुचित नींद, खान-पान पर ध्यान देकर तथा नियमित व्यायाम सुनिश्चित करके अपने स्वास्थ्य और कार्य करने की क्षमता में बहुत बड़ा बदलाव देखा है।

शाह ने विश्व यकृत दिवस पर यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं से अच्छे स्वास्थ्य के लिए दो घंटे शारीरिक व्यायाम और छह घंटे की नींद लेने की अपील की । उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मई 2019 से अब तक मैंने अपने अंदर बहुत बड़ा बदलाव देखा है। सही मात्रा में नींद, शुद्ध पानी, भोजन और व्यायाम से मैंने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है। पिछले 4.5 वर्षों में मैं सभी एलोपैथिक दवाओं से मुक्त हो गया हूं।

शाह ने कहा कि इससे उनकी काम करने, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार हुआ है।

मंत्री ने आईएलबीएस में एकीकृत लिवर पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया और संस्थान में यकृत स्वास्थ्य विषय पर आयोजित 'कार्टून गैलरी' का अवलोकन भी किया। शाह ने मजाकिया लहजे में कहा, ''मुझे कार्टून पसंद हैं, जिनमें मुझ पर आधारित कार्टून भी शामिल हैं।'' उन्होंने यकृत स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इस गैलरी और संस्थान की अन्य पहलों के लिए आईएलबीएस के निदेशक डॉ एस सरीन की सराहना की।

गृह मंत्री ने औद्योगिक घरानों से यकृत स्वास्थ्य के महत्व का प्रचार करने तथा यकृत के उपचार और अनुसंधान के क्षेत्र में काम करने वाले संस्थानों को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की उज्ज्वला योजना, खेलो इंडिया, 'फिट इंडिया' और पेयजल एवं शौचालय जैसी अन्य योजनाएं सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी हैं। शाह ने कहा कि सरकार का स्वास्थ्य बजट 2014 में 37,000 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश में स्वास्थ्य सेवा की समग्र प्रणाली बनाने के लिए काम किया है।

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥
॥ अनंत लब्धि निधान श्री गौतमस्वामीने नमः ॥
ADINATH® JAIN TRUST (Since 1979)
Choolai, Chennai
का एक नया जैन समाजोपयोगी उपक्रम
MEDICAL DISCOUNT CARD
तमिलनाडु की मुख्यतम सर्व बड़ी 40 हॉस्पिटल एवं उनकी उप शाखाएँ,
विविध डायगनोसिस सेन्टर ऐसे लगभग 250 से ज्यादा चिकित्सा केन्द्र में
15% से 50% तक Discount (छूट) प्राप्त करने के लिए कार्ड प्राप्त करें ।
2 वर्ष के लिए कार्ड शुल्क ₹600/- जिसमें परिवार के 6 सदस्य कवर होंगे ।
✦ Digital & Physical Card Available
✦ For Online Registration Download ADINATH JAIN TRUST App. from Play Store
हमारे ट्रस्ट के द्वारा ADINATH JAIN TRUST के नाम से यह एप्लीकेशन तैयार की गई है,
इसे डाउनलोड करने का लिंक नीचे दिया गया है, इस एप्लीकेशन में आपको तमिलनाडु की मुख्यतः सर्व हॉस्पिटल की सूचि क्षेत्रानुसार, डिस्काउंट राशि के साथ दृष्टिगत होगी, आपकी सुविधानुसार कार्ड बताकर आप यह लाभ ले सकते हैं ।
विशिष्ठ सुविधा : प्रति माह प्रमुख हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क केम्प व Highly Qualified निःस्वार्थ डॉक्टर पेनल द्वारा मार्गदर्शन

For more Information :
ADINATH JAIN SEVA KENDRA
1, Kandappa St., Choolai, Chennai - 600112. T : 4204 3001
Email : trustadinath@gmail.com web : adinathjaintrust.org

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.